website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक

रॉयल पत्रिका

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

वर्ष :13 | अंक : 302 | पेज: 8 | जयपुर, गुरुवार, 09 अक्टूबर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

सुप्रीम कोर्ट का चुनाव आयोग को निर्देश

एसआईआर के तहत हटाए गए 3.66 लाख मतदाताओं की जानकारी दें

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत तैयार अंतिम चुनावी सर्वेक्षण से बाहर रखे गए 3.66 लाख मतदाताओं का ब्योरा उपलब्ध कराने के लिए कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से बिहार एसआईआर के तहत बाहर रखे गए मतदाताओं का विवरण 9 अक्टूबर तक देने के लिए कहा है।

आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि एसआईआर की अंतिम मतदाता सूची में जोड़े गए ज्यादातर नाम नए मतदाताओं के हैं और कुछ पुराने मतदाताओं के हैं। बिहार एसआईआर प्रक्रिया पर चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि अब तक किसी भी बाहर रखे गए मतदाता द्वारा कोई शिकायत या अपील दायर नहीं की गई है।

एसआईआर चुनाव आयोग का कार्यक्षेत्र, उसे स्वतंत्र रूप से काम करने दिया जाए

अब तक किसी मतदाता ने कोई अपील नहीं की

बिहार चुनाव प्रक्रिया पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

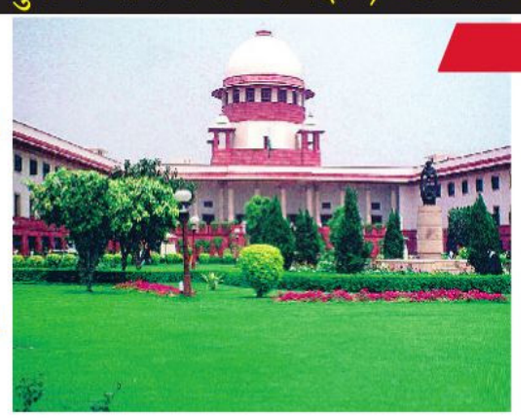

पारदर्शिता और पहुंच बढ़ी

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि आयोग बाहर रखे गए मतदाताओं के बारे में जो भी उनके पास है, उसे गुरुवार तक पेश करेगा। अदालत ने कहा कि सभी के पास मसौदा मतदाता सूची है और अंतिम सूची भी 30 सितंबर को प्रकाशित हो चुकी है, इसलिए तुलनात्मक विश्लेषण के माध्यम से आवश्यक आंकड़े उपलब्ध कराए जा सकते हैं। न्यायमूर्ति बागची ने चुनाव आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी से कहा कि अदालती आदेशों के परिणामस्वरूप चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और पहुंच बढ़ी है।

दिल्ली में बैठे नेता मुद्दे को उठा रहे

आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को यह भी बताया कि प्रभावित/हटाई गई सूची में शामिल किसी भी मतदाता ने अदालत का रुख नहीं किया है और न ही अपील दायर की है, बल्कि दिल्ली में बैठे राजनेता और गैर-सरकारी संगठन ही इस मुद्दे को उठा रहे हैं।

यह आयोग का कार्यक्षेत्र, कोई सामने नहीं आया

सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम टिप्पणी में कहा कि एसआईआर पूरी तरह से केंद्रीय चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र में आता है। जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने यह बात एक याचिका की सुनवाई के दौरान कही। कोर्ट ने यह भी जोड़ा कि देश में कुछ लोग अनधिकृत रूप से रह रहे हो सकते हैं, जो अपनी पहचान उजागर होने के डर से सामने नहीं आना चाहेंगे।

अन्य राज्यों में हस्तक्षेप नहीं करेंगे

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि वह एसआईआर की प्रक्रिया में अन्य राज्यों में कोई हस्तक्षेप नहीं करेगा। यह चुनाव आयोग की जिम्मेदारी और विशेषाधिकार है। सुनवाई के हम हर काम अपने हाथ में क्यों लें? चुनाव आयोग के पास अपना तंत्र है, उसे काम करने दिया जाए।

याची शिकायतकर्ताओं की 100 लोगों की सूची दें, जिनके नाम हटे

कोर्ट ने यह भी कहा कि देश में कुछ लोग बिना अनुमति के रह रहे हैं, वे सामने आने से डरेंगे क्योंकि उनका नाम मतदाता सूची से हटने पर उनकी पहचान उजागर हो सकती है। याचिकाकर्ताओं को निर्देश दिया कि वे कम से कम 100 ऐसे लोगों की सूची प्रस्तुत करें, जिनका दावा है कि उनके नाम मतदाता सूची से हटाए गए, लेकिन उन्हें कोई आदेश नहीं मिला, जिसके कारण वे अपील नहीं कर पा रहे। हमें उन लोगों की एक इलस्ट्रेटिव लिस्ट चाहिए, जिन्हें यह शिकायत है।

जयराम ने कहा

चुनाव आयोग में बताने की हिम्मत नहीं रही

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने चुनाव आयोग पर फिर से हमला बोलते हुए कहा कि मतदाता सूची से गैर नागरिकों को हटाने के लिए मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण की जरूरत पर बल दिया

और कहा कि चुनाव आयोग में इतनी हिम्मत नहीं है कि वह देशवासियों को बता सके कि बिहार में कितने गैर नागरिकों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए। कांग्रेस महासचिव और पार्टी के संचार प्रभारी जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया में समानता और पारदर्शिता की कमी है। रमेश ने कहा कि अगर चुनाव आयोग ने यह जानकारी दी होती कि बिहार में कितने गैर-नागरिकों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए, तो उसकी पोल और भी ज्यादा खुल जाती।

यह जानकारी रक्षा मंत्री ने राजधानी में आयोजित किए गए सम्मेलन को संबोधित करते हुए दी

एआई और ऑटोनॉमस सिस्टम से लड़े जाएंगे भविष्य के युद्ध, ड्रोन की बड़ी भूमिका: राजनाथ

नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पश्चिमी-सीमा पर पाकिस्तान से बढ़ती युद्ध की चुनौती के बीच मंगलवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दो महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए। पहले में उन्होंने कहा कि भविष्य में लड़े जाने वाले युद्ध एल्गोरिदम, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ऑटोनॉमस सिस्टम से लड़े जाएंगे और उस दौरान मानव रहित विमान (ड्रोन), एंटी-ड्रोन सिस्टम, क्वांटम कम्प्यूटिंग और निर्देशित ऊर्जा हथियारों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। जो भावी रूपरेखा तैयार करेंगे। दूसरे में उन्होंने देश की रक्षा और सुरक्षा को राष्ट्र की सामूहिक जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि इस क्षेत्र को सशक्त बनाना केवल किसी एक संस्थान या सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। बल्कि इसके लिए संपूर्ण देशवासियों को साझा रूप से संकल्पबद्ध होना चाहिए। रक्षा विनिर्माण से जुड़े हुए अवसरों पर 7 अक्टूबर को राजधानी में एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया था। जिसे संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने यह जानकारी दी है। सीडीएस जनरल अनिल चौहान, डीआरडीओ अध्यक्ष डॉ. कामत, मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी व नव-प्रवर्तक, स्टार्टअप, एमएसएमई और उद्योग जगत के प्रतिनिधि मौजूद थे।

मानसिकता में बदलाव का सूचक

उन्होंने कहा, यह बदलाव केवल संख्या तक सीमित नहीं है। बल्कि निर्भरता से आत्मविश्वास की ओर मानसिकता में परिवर्तन का सूचक हैं। केंद्र की सार्वजनिक खरीद नीति में वार्षिक खरीद का 25 फीसदी एमएसएमई के लिए आरक्षित है। 350 वस्तुएं इसके तहत आती हैं। रक्षा क्षेत्र में देश की आत्मनिर्भरता एक नारे से आगे बढ़कर एक आंदोलन का रूप ले चुकी है। नीति से व्यवहार तक और नवाचार से प्रभाव तक ये बदलाव हमारे नवप्रवर्तकों, स्टार्टअप और युवा उद्यमियों के प्रयासों से संभव हुआ है। उन्होंने स्टार्टअप्स को ऊंचे मानक स्थापित करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही कहा कि भारत में 100 से ज्यादा यूनिकॉर्न हैं। लेकिन रक्षा क्षेत्र में एक भी नहीं है। इस स्थिति को बदलने की आवश्यकता है, युवा जिसमें अहम भूमिका निभा सकते हैं। सरकार इस क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

नकलची न बनें नव-प्रवर्तक

राजनाथ सिंह ने कहा, नव-प्रवर्तक पहले से मौजूद समाधानों पर ध्यान देने के बजाय उनसे आगे का सोचने और युद्ध को नई परिभाषा देने वाली प्रौद्योगिकियों का विकास करने पर जोर दें। हमें प्रौद्योगिकी में न तो नकलची बनना है और न ही अनुयायी। बल्कि हमें दुनिया के लिए एक सृजक और मानव निर्धारक बनना है। बीते वित्त वर्ष में 1.5 लाख करोड़ रुपए का रक्षा उत्पादन और निर्यात का आंकड़ा 23 हजार करोड़ को पार कर गया। वहीं, घरेलू स्रोतों से रक्षा पूंजी अधिग्रहण 2021-22 के 74 हजार करोड़ से बढ़कर 2024-25 में 1.2 लाख करोड़ हो गया है। 2018 में आईडेक्स की शुरुआत हुई और आज केवल सात वर्षों में इस क्षेत्र में 650 से अधिक विजेता बनकर उभरे हैं, 3 हजार करोड़ रुपए से अधिक के प्रोटोटाइप की खरीद सुनिश्चित की गई है।

50 हजार करोड़ का होगा रक्षा निर्यात

राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत ने वर्ष 2029 तक रक्षा मैन्युफैक्चरिंग और निर्यात का लक्ष्य क्रमशः 3 लाख करोड़ और 50 हजार करोड़ रुपए तक पहुंचाने का रखा है। 2014 में रक्षा उत्पादन 46 हजार करोड़ से अधिक था। वो मौजूदा साल में 1.5 लाख करोड़ पर जा पहुंचा है। जिसमें निजी क्षेत्र का योगदान 33 हजार करोड़ का है। इसी तरह से 2014 में रक्षा निर्यात 1 हजार करोड़ से बढ़कर 2025 में 23,500 करोड़ पर पहुंच गया है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हमारे लिए केवल उत्पादन और अर्थव्यवस्था का मामला नहीं है। बल्कि इसका संबंध सीधे-सीधे देश की सामरिक स्वायत्तता से है। जो हमारी संप्रभुता से संबंधित है। राजनाथ ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से एक व्यापक और वैश्विक प्रतिद्वंद्वी रक्षा मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम बनाने के लिए सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया है। मंत्रालय ने इस बाबत डीएपी-20, डीपीएम-25 में बदलाव किए हैं।

आंकड़ों तक सीमित नहीं आत्मनिर्भरता

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता सिर्फ मेक इन इंडिया और निर्यात के आंकड़ों तक सीमित नहीं है। बल्कि ये हमारे संकट के समय में प्रदर्शित किए गए आत्मविश्वास का प्रमाण है कि हम अपनी रक्षा करने के लिए किसी और पर निर्भर नहीं हैं। इससे हमारी सशस्त्र सेनाओं द्वारा स्वदेश की धरती पर बनाए गए हथियारों के इस्तेमाल को लेकर भी आत्मविश्वास बढ़ता है। इनमें हमारे ही वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की प्रतिभा लगी हुई होती है।

अमेरिका के राष्ट्रपति ने एक बार फिर से दोहराया ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दोनों देशों के बीच संघर्षविराम कराने का अपना दावा

'टैरिफ' से हुआ भारत-पाकिस्तान जैसे दो परमाणु शक्ति संपन्न देशों के बीच संघर्षविराम समझौता: ट्रंप

नई दिल्ली

भारत के साथ ही पाकिस्तान भी अमेरिकी राष्ट्रपति के इस दावे को पहले ही सिरे से खारिज कर चुका है

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हैं कि मानते ही नहीं, ऐसे समय में जब बहुत पहले ही भारत द्वारा उन्हें साफ शब्दों में ये स्पष्ट कर दिया गया है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 7 से 10 मई 2025 तक पाकिस्तान के साथ हुए सैन्य संघर्ष को रुकवाने में किसी तीसरे पक्ष या दुनिया के किसी अन्य देश की कोई भूमिका नहीं रही है। संघर्षविराम समझौता पूरी तरह से द्विपक्षीय था। जो भारत और पाकिस्तान के बीच ही हुआ है। ट्रंप ने इस तथ्य को दरकिनार करते हुए बीते सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में संघर्षविराम को लेकर अपने दावे को पुनः दोहराते हुए कहा कि इस साल की शुरुआत में भारत और पाकिस्तान जैसे दो परमाणु शक्ति संपन्न देशों के बीच हुए संघर्षविराम को रोकने में टैरिफ की अहम भूमिका है। ये टैरिफ ही था जो दोनों के बीच संघर्षविराम समझौता कराने की वजह बना। अमेरिका की टैरिफ पर बनी हुई स्थिति को साफ करते हुए उन्होंने कहा कि अगर मेरे पास टैरिफ लगाने का अधिकार नहीं होता। तो दुनिया के लगभग 7 में से 4 देशों में तो आज भी युद्ध चल रहे होते। यह टैरिफ ही था जिसकी वजह से भारत, पाकिस्तान जैसे दो परमाणु शक्ति वाले देशों के बीच संघर्षविराम हो सका। उन्होंने कहा कि टैरिफ के जरिए प्रभावी रूप से दखल देने से पहले सात विमान गिराए गए। इस संबंध में हालांकि उन्होंने विस्तार से कोई जानकारी नहीं दी है।

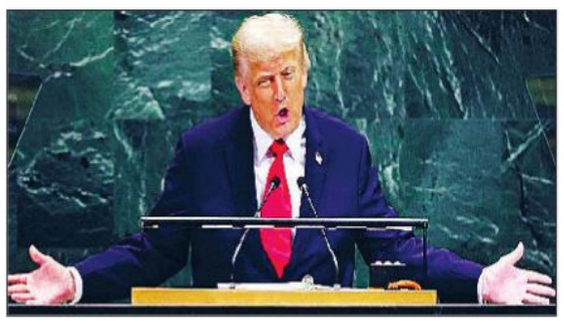

टैरिफ से अमेरिका बना शांतिदूत

ट्रंप ने ये भी कहा कि हमारे द्वारा लगाए गए टैरिफ की वजह से ही अमेरिका दुनिया में शांतिदूत बना है। साथ ही हमारे देश को भी सैकड़ों अरब डॉलर का फायदा यानी कमाई हुई है और हम एक बार फिर से अमीर और शक्तिशाली बन गए हैं। उल्लेखनीय है कि ये पहला मौका नहीं है जब अमेरिका के राष्ट्रपति ने भारत-पाक के बीच संघर्षविराम समझौता करने का राग अलापा है। इससे पहले भी वो दर्जनों बार यह बयान दे चुके हैं। जिसमें कभी सार्वजनिक रूप से आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों में उनके द्वारा इस संबंध में दावा किया गया तो कभी सोशल मीडिया मंचों पर उन्होंने इस संबंध में बयान दिया है।

भारत-पाक ने खारिज की ट्रंप की भूमिका

भारत की तरफ से इस साल जून महीने में जी-7 शिखर सम्मेलन से इतर अमेरिका के राष्ट्रपति के साथ फोन पर हुई बातचीत में स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मामले पर देश का रुख साफ किया था। जिसमें उन्होंने कहा था कि दोनों देशों के बीच सैन्य संघर्ष को रोकने के लिए हुआ संघर्षविराम समझौता द्विपक्षीय था। जिसमें किसी अन्य देश द्वारा कोई मध्यस्थता नहीं की गई है। पाकिस्तान ने संघर्षविराम समझौता करने के लिए भारत से आग्रह किया था। जिसे हमने स्वीकार किया है। पीएम ने ये भी कहा था कि दोनों देशों के बीच आपसी मुद्दों का समाधान द्विपक्षीय आधार पर ही निकाला जाएगा। वहीं, पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री व विदेश मंत्री इशाक डार ने भी बीते वक्त में इस तथ्य को विदेशी मीडिया को दिए एक साक्षात्कार के दौरान दोहराया था। जिसमें उन्होंने कहा था कि दोनों देशों के बीच हुआ संघर्षविराम समझौता पूरी तरह से द्विपक्षीय था और उसमें किसी अन्य पक्ष की कोई भूमिका नहीं रही है।

राजस्थान-मध्य प्रदेश में कफ सिरप से बच्चों की मौत, कांग्रेस ने की न्यायिक जांच की मांग

नई दिल्ली

कांग्रेस ने राजस्थान और मध्य प्रदेश में कफ सिरप से बच्चों की मौत के मामलों को लेकर भाजपा सरकारों पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए न्यायिक जांच की मांग की है। इंदिरा भवन स्थित कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और मध्य प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि मध्य प्रदेश और राजस्थान में दवाइयों की खरीद में भारी भ्रष्टाचार किया गया है।

राजस्थान में अब तक 4 मौतें

टीकाराम जूली ने बताया कि राजस्थान में कफ सिरप से अब तक चार मौतें हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार कफ सिरप से बच्चों की मौत होने की बात मानने को तैयार नहीं है। राजस्थान में चिकित्सा मंत्री ने कफ सिरप में गड़बड़ी होने से इंकार कर दिया। उन्होंने सवाल उठाया कि जिन कंपनियों को ब्लैक लिस्ट किया जा चुका है या जिनकी विश्वसनीयता पर पहले से ही सवाल उठते रहे हैं, उनसे सरकारें दवाइयों की आपूर्ति क्यों ले रही हैं? उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने कार्रवाई करने के बजाय केवल कमेटी बना दी, जिसका उद्देश्य मामले को भटकाना और ठंडा करना है।

मध्यप्रदेश में 19 बच्चों की मौत हुईं: सिंघार

वहीं उमंग सिंघार ने कहा कि मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में कफ सिरप से 19 बच्चों की मौत हो गई। उन्होंने शुरु में ही मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री और कलेक्टर को पत्र लिखकर जांच की मांग की, लेकिन कोई कदम नहीं उठाया गया। बच्चों की मौत के बीच सीएम के काजीरंगा पार्क में हाथियों के साथ मौज-मस्ती को लेकर तंज भी कसा। डिप्टी सीएम ने कफ सिरप से कोई मृत्यु नहीं होने की बात कही और सिरप बनाने वाली कंपनी को क्लीनचिट दे दी। कहा कि किडनी फेल होने से बच्चों की एक के बाद एक मौत के बावजूद संबंधित टेस्ट नहीं करवाए गए। दवा कंपनियां सरकार के साथ मिलकर परासिया जैसे आदिवासी क्षेत्रों और छोटे जिलों में व्यापार कर रही हैं।

अरविंद केजरीवाल होंगे प्रियंका गांधी वाड्रा के पड़ोसी, नहीं मिला मायावती का बंगला

नई दिल्ली

लंबे कानूनी और राजनीतिक खींचतान के बाद दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को आखिरकार दिल्ली में सरकारी आवास मिल गया है। केजरीवाल की ख्वाहिश थी कि उन्हें मायावती के नाम आवंटित 35 लोदी की एस्टेट वाला बांग्ला आवंटित हो, लेकिन ऐसा हो न सका।

शहरी विकास मंत्रालय के सूत्रों ने बताया की वो बंगला पहले ही वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी के नाम आवंटित हो चुकी थी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का नया पता होगा - 95 लोधी एस्टेट। वे वरिष्ठ कांग्रेसी नेता शशि थरूर और प्रियंका गांधी वाड्रा के पड़ोसी होंगे। लालू यादव की बेटी राज्यसभा सांसद मीसा भारती भी उनकी पड़ोसी होंगी। सूत्रों के अनुसार, केजरीवाल और उनकी पार्टी इस बात पर अड़ी थी कि उन्हें मायावती वाला बंगला ही दिया जाए।

उनका तर्क था कि एक मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय पार्टी के प्रमुख होने के नाते उन्हें उसी श्रेणी का आवास मिलना चाहिए। लेकिन केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट और दिल्ली उच्च न्यायालय में बताया कि संबंधित बंगला पहले ही एक केंद्रीय मंत्री को आवंटित किया जा चुका है और अब वह उपलब्ध नहीं है।

जम्मू-कश्मीर के 8.55 लाख किसानों के खातों में सम्मान निधि के 171 करोड़ रु. हुए जमा

5100 घरों के पुनर्निर्माण के लिए केंद्र से 85 करोड़ रु. का बजट भी मंजूर: शिवराज सिंह

नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को कृषि भवन, नई दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जम्मू-कश्मीर के बाढ़ व भूस्खलन प्रभावित किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की 21वीं किस्त अग्रिम जारी की।

इस मौके पर केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, केंद्रीय कृषि सचिव डॉ. देवेश चतुर्वेदी, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. मांगी लाल जाट सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे, वहीं जम्मू-कश्मीर के कृषि मंत्री जावेद अहमद डार, अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, किसान कार्यक्रम से वर्चुअल जुड़े। इस किस्त के तहत लगभग 8.55 लाख किसानों के बैंक खातों में सीधे 171 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए गए, जिनमें 85,418 महिला किसान शामिल हैं। जम्मू-कश्मीर के किसानों को पीएम-किसान के तहत अब तक कुल 4,052 करोड़ रु. की सहायता दी जा चुकी है। चौहान ने बताया कि जम्मू-कश्मीर सरकार से लगभग 5100 घरों के क्षतिग्रस्त होने संबंधी जानकारी ज्ञापन के माध्यम से मिली है, जिनके पुनर्निर्माण के लिए केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की ओर से प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 85.62 करोड़ रु. का विशेष प्रस्ताव भी स्वीकृत किया गया है, जिसमें मूल सहायता राशि के अलावा शौचालय निर्माण व मनरेगा से भी राशि मिलेगी, ताकि लोग अपना घर फिर से बना सकें। साथ ही, राज्य से प्रस्ताव प्राप्त होने पर ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा मनरेगा के तहत 100 दिनों के बजाय 150 दिनों की मजदूरी दी जाएगी, जिससे कि प्रभावित परिवारों को अतिरिक्त आजीविका सहायता मिलेगी।

जम्मू-कश्मीर के आपदा प्रभावित किसानों को केंद्र सरकार से मिली राहत

कश्मीर के कृषि मंत्री जावेद अहमद डार, अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, किसान कार्यक्रम से वर्चुअल जुड़े। इस किस्त के तहत लगभग 8.55 लाख किसानों के बैंक खातों में सीधे 171 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए गए, जिनमें 85,418 महिला किसान शामिल हैं। जम्मू-कश्मीर के किसानों को पीएम-किसान के तहत अब तक कुल 4,052 करोड़ रु. की सहायता दी जा चुकी है। चौहान ने बताया कि जम्मू-कश्मीर सरकार से लगभग 5100 घरों के क्षतिग्रस्त होने संबंधी जानकारी ज्ञापन के माध्यम से मिली है, जिनके पुनर्निर्माण के लिए केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की ओर से प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 85.62 करोड़ रु. का विशेष प्रस्ताव भी स्वीकृत किया गया है, जिसमें मूल सहायता राशि के अलावा शौचालय निर्माण व मनरेगा से भी राशि मिलेगी, ताकि लोग अपना घर फिर से बना सकें। साथ ही, राज्य से प्रस्ताव प्राप्त होने पर ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा मनरेगा के तहत 100 दिनों के बजाय 150 दिनों की मजदूरी दी जाएगी, जिससे कि प्रभावित परिवारों को अतिरिक्त आजीविका सहायता मिलेगी।

सम्पादकीय

जगी युद्ध विराम की उम्मीद

आखिरकार डोनाल्ड ट्रंप की शांति का नोबेल पुरस्कार पाने की तीव्र आकांक्षा के बीच की गई पहल से गाजा में दो साल से जारी इजराइल के निरंकुश हमलों पर रोक लगने की आस जगी है। मिस्र के शर्म अल-शेख रिसॉर्ट में अमेरिका की मध्यस्थता में शुरू हुई वार्ता ने दुनियाभर में भरोसा जगाया है कि अब गाजा संकट का समाधान निकल सकता है। वास्तव में दो साल से जारी इजराइल-हमास संघर्ष में मानवता कराह रही है। हालांकि, इस संकट की शुरुआत हमास के वहशी आतंकी हमले से ही हुई थी। दरअसल, यह संघर्ष सात अक्टूबर, 2023 को हमास के आतंकवादियों द्वारा इजराइल की धरती पर गए स्तब्धकारी क्रूर हमले के बाद शुरू हुआ था। इस जघन्य नरसंहार में इजराइल व कुछ अन्य देशों के बारह सौ के करीब नागरिक मारे गए थे। इतना ही नहीं हमास के आतंकवादी 250 इजराइली व अन्य देशों के लोगों को बंधक बनाकर ले गए थे ताकि इजराइल पर वार्ता में दबाव बनाया जा सके।

सैयद अहमर हसनैन

अभी कुछ जीवित बंधक तथा कुछ मृतकों के शव हमास के कब्जे में हैं, जिन्हें वह वार्ता में ढाल की तरह इस्तेमाल करता रहा है। इस घटनाक्रम को यहूदियों के सबसे बड़े नरसंहार के बाद दूसरा बड़ा खूनी दिन बताया गया था। जिसका जवाब इजराइल ने गाजा को मटियामेट करके दिया, जिसमें हमास के आतंकवादियों समेत 67000 से ज्यादा फलस्तीनी मारे गए। जिसमें अधिकांश आम नागरिक थे। इजराइल के लगातार जारी घातक हमलों से गाजा आज खण्डहर में तब्दील हो गया है। बताया जाता है कि करीब 22 लाख गाजावासियों में ज्यादातर बेघर हैं और भूख से जूझ रहे हैं। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद द्वारा नियुक्त स्वतंत्र वरिष्ठ जांचकर्ताओं ने निष्कर्ष निकाला था कि गाजा में इजराइली हमलों की कार्रवाई नरसंहार की श्रेणी में आती है। मिस्र के शर्म अल-शेख रिसॉर्ट में अमेरिका की मध्यस्थता में शुरू हुई वार्ता के बाद कहा जा रहा है कि इजराइल और हमास अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा प्रस्तावित 20-सूत्रीय योजना के कुछ हिस्सों को लेकर सहमत हो गए हैं। बहरहाल, इजराइल व हमास के समझौते की ओर बढ़ने से हमास के कब्जे में रखे गए बंधकों की रिहाई की उम्मीद भी जगी है। हालांकि, इस समझौता वार्ता का एक विवादास्पद मुद्दा हमास का निरस्त्रीकरण भी है, जिसे हमास स्वीकारने को तैयार नहीं हो रहा था। वहीं गाजा के शासन से हमास को बाहर रखे जाने के मुद्दे का भी वार्ता के परिणामों पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। इस वार्ता को लेकर भारत ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। भारत ने ट्रंप की योजना को फलस्तीन और इजराइली लोगों के लिये दीर्घकालिक और स्थायी शांति, सुरक्षा और विकास का एक व्यवहार्य मार्ग बताते हुए, इस पहल की सराहना की है। निस्संदेह, भारत की यह सक्रिय प्रतिक्रिया हाल के वर्षों में गाजा संघर्ष में युद्धविराम से संबंधित संयुक्त राष्ट्र प्रस्तावों पर मतदान से उसके बार-बार परहेज करने के बिल्कुल विपरीत है। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने ही भारत ने फलस्तीनी मुद्दे के शांतिपूर्ण समाधान और द्विराज्य विकल्प के क्रियान्वयन पर न्यूयॉर्क घोषणापत्र का समर्थन करने वाले संयुक्त राष्ट्र प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया था। इस परिप्रेक्ष्य में एक महत्वपूर्ण बदलाव तब देखा गया जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नौ सितंबर को कतर पर हुए इजराइली हमलों की निंदा की थी। हालांकि, उन्होंने इस बाबत हमलावर, इस्राइल का नाम लेने से परहेज किया था। इसमें दो राय नहीं कि ट्रंप की योजना को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का समर्थन देना स्पष्ट रूप से भारत और अमेरिका के संबंधों को पटरी पर लाने के एक प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। वैसे देखा जाए तो दिल्ली ने इस्राइल के मामले में काफी हद तक सावधानी बरती है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि पहलगाम हमले के बाद आतंकवाद के मुद्दे पर भारत के बचाव के अधिकार का इजराइल ने पुरजोर समर्थन किया था। भारत को उम्मीद है कि पश्चिम एशिया में उसकी यह पहल अशांत क्षेत्र में शांति बहाल होने पर फायदेमंद साबित हो सकती है।

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी)

भारत के वस्त्र क्षेत्र के सपनों को वास्तविकता में बदलने के लिए परिवर्तन

गिरिराज सिंह

जीएसटी 2.0, 350 बिलियन डॉलर के वस्त्र उद्योग को नई ऊर्जा प्रदान कर रहा है भारत में वस्त्र उद्योग बहुत बड़ा है, जो आजीविका और निर्यात दोनों को प्रभावित करता है। आज, इस उद्योग का आकार 179 बिलियन डॉलर है और यह 4.6 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार देता है, जिनमें से अधिकांश महिलाएं हैं। अब सरकार का लक्ष्य 2030 तक इस उद्योग के आकार को लगभग दोगुना करके 350 बिलियन डॉलर करना है, जिससे देश भर के परिवारों के लिए रोजगार और आय के और भी अधिक और नए अवसर पैदा होंगे। भारत का संगठित घरेलू वस्त्र बाजार लगभग 142 से 145 बिलियन डॉलर का है और जब हम इसमें बड़े पैमाने पर असंगठित क्षेत्र को शामिल करते हैं, तो यह 155 से 160 बिलियन डॉलर के करीब हो जाता है। करों की दर को युक्ति संगत बनाने जैसे अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों की शुरुआत के साथ एवं फाइबर-तटस्थ व्यवस्था को अपना कर निर्माता अब बचत का लाभ सीधे खरीददारों को दे सकते हैं। उपभोक्ताओं, विशेषकर मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए, जिनका 2047 तक भारत के लक्षित उपभोक्ता आधार का 60 प्रतिशत बनाने की उम्मीद है उनके लिए ये सुधार सबसे बड़ा लाभ लाएंगे...

मानसून की उस एक सुबह, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) ने 17 अलग-अलग करों और 13 उपकरों को एक एकीकृत ढांचे के साथ बदल दिया, जिससे मूल रूप से देश की राजकोषीय संरचना को नया आकार मिला। यह केवल एक कर सुधार नहीं था, यह एक राष्ट्र, एक कर, एक बाजार की ओर भारत की साहसिक यात्रा की शुरुआत थी। आठ साल बाद अब यह परिवर्तन किसी असाधारण घटना से कम नहीं लगता है। कर संग्रह 2017-2018 के 7.19 लाख करोड़ रुपये से तीन गुना बढ़कर 2024-2025 में 22.08 लाख करोड़ रुपये की रिकॉर्ड वृद्धि के साथ तीन गुना हो गया है। इसके साथ ही करदाताओं का आधार 65 लाख से दोगुना होकर 1.5 करोड़ हो गया है, जिससे लाखों लघु उद्यमों को औपचारिक अर्थव्यवस्था में शामिल किया जा सका है। इस आधार पर आगे बढ़ते हुए, भारत ने अब 22 सितंबर, 2025 से अगली पीढ़ी के जीएसटी युग में प्रवेश कर लिया है, जिसमें इस प्रणाली को 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत के दो स्लैब में सुव्यवस्थित कर दिया गया है, साथ ही इसमें 40 प्रतिशत की स्लैब लग्जरी और डिमेरिट वस्तुओं के लिए रखी गई है। घरों में दैनिक आवश्यकताओं की वस्तुएं, दवाओं और शिक्षा सामग्री की आपूर्ति पर 0 से 5 प्रतिशत के बीच कर लगाने से परिवारों को अधिक बचत होगी, जबकि किसानों को ट्रैक्टरों, टायरों, कीटनाशकों और सिंचाई उपकरणों पर कम जीएसटी लगाने से अधिक लाभ प्राप्त होगा जिससे इनपुट लागत में कमी आएगी और ग्रामीण आय में वृद्धि होगी।

इसके साथ ही ऑटो सेक्टर को भी इससे बड़ी राहत मिली है क्योंकि स्कूटर और कारों पर जीएसटी 28 प्रतिशत से घटकर 18 प्रतिशत हो गया है। अब 2,500 रुपये तक की कीमत वाले (पहले 1,000 रुपये) रेडीमेड कपड़ों पर भी केवल 5 प्रतिशत जीएसटी लगेगा। मैंने एक कॉलेज छात्र से बातचीत की और जब उससे कपड़ों के बारे में पूछा तो उसने कहा अब त्योहारों की खरीदारी ने मेरी जेब पर पड़ने वाले बोझ को बहुत कम कर दिया है। अब उसी बजट से मैंने एक की बजाय दो ट्रेंडी शर्ट खरीदीं हैं। मुझे जीएसटी स्लैब के बारे में ज्यादा जानकारी तो नहीं है, लेकिन मुझे पता है कि अब कपड़े खरीदना अधिक सस्ता हो गया है।÷ इसके विपरीत, पान मसाला, तंबाकू, ऑनलाइन गेम्स, लग्जरी एसयूवी और कैसिनो जैसे लग्जरी और डिमेरिट सामान अब 40 प्रतिशत स्लैब के अंतर्गत आते हैं। इस सुधार ने फिट इंडिया, हेल्दी इंडिया के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हुए उत्तरदायी उपभोग को बढ़ावा दिया है, जो बचत का एक वास्तविक स्वरूप है। और जैसे इन सुधारों से परिवारों, किसानों और उद्योगों को राहत मिलती है, वैसे ही ये हमारे वस्त्र क्षेत्र को भी नई ताकत देते हैं। जीएसटी 2.0 वस्त्र उद्योग के पूर्ण परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करता है, जो कृषि के बाद दूसरा सबसे बड़ा रोजगार उपलब्ध कराने वाला क्षेत्र है और आत्मनिर्भर भारत का एक जीवंत उदाहरण है। जीएसटी 2.0, 350 बिलियन डॉलर के वस्त्र उद्योग को नई ऊर्जा प्रदान कर रहा है भारत में वस्त्र उद्योग बहुत बड़ा है, जो आजीविका और निर्यात दोनों को प्रभावित करता है। आज, इस उद्योग का आकार 179 बिलियन डॉलर है और यह 4.6 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार देता है, जिनमें से अधिकांश महिलाएं हैं। अब सरकार का लक्ष्य 2030 तक इस उद्योग के आकार को लगभग दोगुना करके 350 बिलियन डॉलर करना है, जिससे देश भर के परिवारों के लिए रोजगार और आय के और भी अधिक और नए अवसर पैदा होंगे। भारत का संगठित घरेलू वस्त्र बाजार लगभग 142 से 145 बिलियन डॉलर का है और जब हम इसमें बड़े पैमाने पर असंगठित क्षेत्र को शामिल करते हैं, तो यह 155 से 160 बिलियन डॉलर के करीब हो जाता है। करों की दर को युक्ति संगत बनाने जैसे अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों की शुरुआत के साथ एवं फाइबर-तटस्थ व्यवस्था को अपना कर निर्माता अब बचत का लाभ सीधे खरीददारों को दे सकते हैं। उपभोक्ताओं, विशेषकर मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए, जिनका 2047 तक भारत के लक्षित उपभोक्ता आधार का 60 प्रतिशत बनाने की उम्मीद है उनके लिए ये सुधार सबसे बड़ा लाभ लाएंगे। निम्न आय समूहों के साथ मिलकर, स्थानीय उद्योग को समर्थन देते हुए आवश्यक वस्त्रों के अधिक किफायती बनने से हर साल लगभग 8 से 10 बिलियन डॉलर की

बचत होने का अनुमान है। ये सुधार कीमतों को कम करने से कहीं बढ़ कर है और यह सही मायनों में फैशन को और अधिक लोकप्रिय बनाने का प्रतिनिधित्व करता है। वस्त्र क्षेत्र के लिए जीएसटी 2.0 के सबसे बड़े बदलावों में से एक लंबे समय से चले आ रहे इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर को ठीक करना है, जिसने मानव निर्मित फाइबर क्षेत्र को कमजोर कर दिया था। इससे पहले, मानव निर्मित रेशों पर 18 प्रतिशत, सूत पर 12 प्रतिशत और कपड़ों पर केवल 5 प्रतिशत कर लगाया जाता था। इस संरचना ने कच्चे माल को तैयार उत्पादों की तुलना में महंगा बना दिया, जिससे कार्यशील पूंजी अवरुद्ध हो गई और नया निवेश बाधित हुआ। जीएसटी 2.0 में अब मानव निर्मित क्षेत्र में एक समान 5 प्रतिशत कर है, जो सही अर्थों में फाइबर तटस्थ इकोसिस्टम सृजित कर रहा है। लाखों एमएसएमई के लिए, जो भारत के वस्त्र उद्योग का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा हैं, यह एक बड़ी राहत है। यह मानव निर्मित फाइबर क्षेत्र के लिए वैश्विक केंद्र बनने की भारत की महत्वाकांक्षा को मजबूत करता है और प्रतिवर्ष उत्पादित 22,000 मिलियन परिधानों को कम इनपुट लागत, बढ़ी हुई प्रतिस्पर्धा और अधिक बाजार मांग के साथ निर्मित करने में सक्षम बनाता है। यह सुधार न केवल कपड़ों को सस्ता बनाएगा और निर्यात को बढ़ावा देगा, बल्कि मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के सपने को भी मजबूत करेगा, जो हमारी विरासत और विकास दोनों को आगे बढ़ाएगा। एक उदाहरण से इसे समझते हैं। इससे पहले सूरत में महिलाओं की सिलाई इकाई में मानव निर्मित फाइबर और धागे की लागत इतनी अधिक थी कि उनका लाभ मार्जिन कम हो जाता था और ऑर्डर अक्सर विदेशों में चले जाते थे।

शिक्षा बनाम विचारधाराः अमेरिका की विफलता, भारत की संभावना

शिक्षा की स्वतंत्रता का ह्रास

श्रेय शुक्ला

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, जादवपुर विश्वविद्यालय, हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय और बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय जैसे संस्थान आज भी उन स्थानों में हैं जहाँ विचार अपने सभी रूपों में फलते-फूलते हैं। यहाँ विचारों की टकराहट होती है, पर संवाद बंद नहीं होता। यही भारत की शक्ति है, जहाँ असहमति को भी स्वीकार करने का साहस सामाजिक संस्कृति का हिस्सा है। यह परंपरा नवीन नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान-संस्कृति की प्राचीन परंपरा से उपजी है। नालंदा और तक्षशिला के काल में विविध मतों के अनुयायी एक ही मंच पर विचार-विमर्श करते थे। वैदिक, बौद्ध, जैन और चार्वाक सभी अपने मत बिना भय के रखते थे। यह विविधता ही भारतीय बौद्धिकता की आत्मा बनी, जिसने इस भूमि को स्थायित्व और गहराई दी। आज जब दुनिया की अनेक सभ्यताएँ कठोर विचारधाराओं के शिकंजे में जकड़ी हैं, भारत के विश्वविद्यालय अब भी उस प्राचीन बहुलता का जीवन्त रूप बने हुए हैं। निस्संदेह भारत को भी चुनौतियाँ कम नहीं हैं। कभी-कभी विश्वविद्यालयों में उच्च पदों की नियुक्तियाँ राजनीतिक विचारधारा से प्रभावित होती हैं, अनुसंधान के धन का वितरण असमान प्रतीत होता है, और कुछ विषयों को उपेक्षित किया जाता है। परन्तु इन सीमाओं के बावजूद विचारों की विविधता समाप्त नहीं होती। बल्कि यह विरोध और अधिक जीवंत संवाद को जन्म देता है। भारतीय शिक्षकों और शोधकर्ताओं की प्रतिबद्धता इस बात का प्रमाण है कि स्वतंत्र सोच की परंपरा भारत में अभी भी सांस ले रही है और हर नई पीढ़ी इसे दृढ़ता से आगे बढ़ा रही है। इसके विपरीत अमेरिका के अनेक प्राध्यापक अब लिंग या राजनीति से जुड़े विषयों पर बोलने से हिचकते हैं। असहमति का अर्थ वहाँ 'रद्द-संस्कृति' का शिकार होना बन चुका है। विश्वविद्यालय अब विचारों की प्रयोगशाला नहीं, बल्कि संयमित वक्तव्यों की सतर्क जगह बन गए हैं। जब किसी भी समाज में भय विचार पर हावी होता है, तब लोकतंत्र का आधार स्वभावतः कमजोर पड़ने लगता है। अमेरिका के वे विश्वविद्यालय, जो कभी विश्व के बौद्धिक केंद्र माने जाते थे, अब अपनी ही छाया में सिमटते जा रहे हैं। शिक्षा केवल कौशल प्रशिक्षण का माध्यम नहीं होती; उसका सबसे बड़ा उद्देश्य सोचने, प्रश्न करने और स्वतंत्र रूप से तर्क करने की क्षमता का विकास करना होता है। जब अभिव्यक्ति पर पहरा लगता है, तब ज्ञान का प्रवाह रुक जाता है। यही कारण है कि अमेरिका जैसी महाशक्ति आज अपने ही बौद्धिक गलियारों में सन्नाटा महसूस कर रही है। ऐसे समय में भारत का अनुभव और संतुलन विश्व के लिए एक प्रेरक उदाहरण बन सकता है। यहाँ हमें यह समझना चाहिए कि विचारों की स्वतंत्रता केवल संवैधानिक प्रावधानों से नहीं, बल्कि समाज की नैतिक सहमति और बौद्धिक सहिष्णुता से सुरक्षित रहती है। भारत आज यह संदेश दे रहा है कि विचारों की बहुलता ही सच्चे लोकतंत्र की जड़ है। जब इतनी भाषाओं, मतों और धर्मों के बीच भी असहमति को सम्मान मिलता है, तो यह किसी भी सभ्यता की सर्वोच्च उपलब्धि है। भविष्य अंततः उसी के हाथों में रहेगा जो बौद्धिक रूप से सबसे स्वतंत्र रहेगा। आर्थिक या तकनीकी शक्ति स्थायी नहीं होती, पर स्वतंत्र सोच और विवेक किसी समाज को दीर्घजीवी बनाते हैं। भारत को चाहिए कि वह अपनी इस नैतिक बढ़त को बनाए रखे।

जो देश स्वयं को विश्व का सबसे पुराना लोकतंत्र कहता है, उसी अमेरिका में आज वह संकट गहराता जा रहा है जो किसी अर्थव्यवस्था या राजनीति का नहीं, बल्कि बौद्धिक स्वतंत्रता का मूल संकट है। शिक्षा की वह आज़ादी, जो कभी अमेरिका की असली आत्मा और उसकी वैश्विक शक्ति का आधार मानी जाती थी, अब सरकारी हस्तक्षेपों, विचारधारात्मक ध्रुवीकरण और वित्तीय नियंत्रणों के भँवर में उलझकर दीप्त होती जा रही है। वे विश्वविद्यालय, जहाँ से कभी विज्ञान, तकनीक और नवीन सोच के महापुरुष निकले, अब एक भय और बंधन की संस्कृति के केंद्र बनते जा रहे हैं। मनुष्यता के इतिहास में ज्ञान की सबसे बड़ी उपलब्धियाँ उन समाजों से आईं जो स्वतंत्र विचार की सम्मानपूर्ण रक्षा करते रहे पर आज अमेरिकी शैक्षणिक जगत उसी स्वतंत्रता की घुटन झेल रहा है। 'स्कॉलर्स एट रिस्क' जैसे प्रतिष्ठित संगठन लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि अमेरिका में शैक्षणिक संस्थानों पर राजनीतिक दबाव एक खतरनाक स्तर तक पहुँच चुका है।

ट्रम्प शासन के समय यह प्रवृत्ति और अधिक उग्र हुई जब विश्वविद्यालयों को राष्ट्रवादी या उदारवादी विचारधारा के हथियार के रूप में देखा जाने लगा। आज अनेक ऐसे उदाहरण हैं जहाँ विश्वविद्यालय अपनी अकादमिक स्वतंत्रता खो चुके हैं। राज्य विधानसभाएँ और धन प्रदाता निगम यह तय करने लगे हैं कि कौन-से विचार स्वीकार्य हैं और कौन-से नहीं। कई राज्यों में 'जागरण-विरोधी' नाम पर ऐसे कानून बनाए गए जिनसे इतिहास, समाजशास्त्र और साहित्य के विषयों में जातीय और लैंगिक विविधता से जुड़े अध्यायों को हटा दिया गया। अनेक प्राध्यापक केवल अपने सामाजिक लेखन या स्वतंत्र अभिव्यक्ति के कारण निलंबित कर दिए गए। यह विडंबना उस देश की है जो स्वयं को स्वतंत्र विश्व का नेता कहता है, पर जहाँ अब स्वतंत्रता का श्वास ही कठिन हो गया है। यह संकट केवल अमेरिकी परिसरों तक सीमित नहीं रहा। यूरोप में हंगरी की सरकार ने सेंट्रल यूरोपियन विश्वविद्यालय को विदेशी अनुदान के नाम पर देश छोड़ने के लिए विवश कर दिया। तुर्की में तख्तापलट के बाद हज़ारों अध्यापकों को राजविरोधी कहकर पदमुक्त कर दिया गया। चीन और रूस में तो शिक्षा संस्थान लंबे समय से सत्ता की विचारधारा के कठोर नियंत्रण में हैं, जहाँ शोध का अर्थ केवल शासन की नीतियों को सिद्ध करना रह गया है। इस प्रकार शिक्षा की स्वतंत्रता का ह्रास एक वैश्विक प्रवृत्ति बन चुका है जो किसी भी समाज की बौद्धिक आत्मा के लिए गंभीर खतरा है। इन परिस्थितियों के बीच भारत का परिदृश्य अत्यंत विचारणीय और उल्लेखनीय रूप में सामने आता है। यह सत्य है कि यहाँ भी विश्वविद्यालयों को लेकर तीखी बहसें होती हैं, राजनीतिक आरोप लगते हैं और छात्रों के आंदोलन होते हैं, परंतु इसके बावजूद भारत ने अब तक शिक्षा की स्वतंत्रता के लोकतांत्रिक स्वरूप को संरक्षित रखा है। यहाँ विश्वविद्यालय अब भी संवाद, मतभेद और बहस के जीवंत मंच बने हुए हैं। किसी दृष्टिकोण से असहमति जताना अपराध नहीं है। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, जादवपुर विश्वविद्यालय, हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय और बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय जैसे संस्थान आज भी उन स्थानों में हैं जहाँ विचार अपने सभी रूपों में फलते-फूलते हैं। यहाँ विचारों की टकराहट होती है, पर संवाद बंद नहीं होता। यही भारत की शक्ति है, जहाँ असहमति को भी स्वीकार करने का साहस

सामाजिक संस्कृति का हिस्सा है। यह परंपरा नवीन नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान-संस्कृति की प्राचीन परंपरा से उपजी है। नालंदा और तक्षशिला के काल में विविध मतों के अनुयायी एक ही मंच पर विचार-विमर्श करते थे। वैदिक, बौद्ध, जैन और चार्वाक सभी अपने मत बिना भय के रखते थे। यह विविधता ही भारतीय बौद्धिकता की आत्मा बनी, जिसने इस भूमि को स्थायित्व और गहराई दी। आज जब दुनिया की अनेक सभ्यताएँ कठोर विचारधाराओं के शिकंजे में जकड़ी हैं, भारत के विश्वविद्यालय अब भी उस प्राचीन बहुलता का जीवन्त रूप बने हुए हैं। निस्संदेह भारत को भी चुनौतियाँ कम नहीं हैं। कभी-कभी विश्वविद्यालयों में उच्च पदों की नियुक्तियाँ राजनीतिक विचारधारा से प्रभावित होती हैं, अनुसंधान के धन का वितरण असमान प्रतीत होता है, और कुछ विषयों को उपेक्षित किया जाता है। परन्तु इन सीमाओं के बावजूद विचारों की विविधता समाप्त नहीं होती। बल्कि यह विरोध और अधिक जीवंत संवाद को जन्म देता है। भारतीय शिक्षकों और शोधकर्ताओं की प्रतिबद्धता इस बात का प्रमाण है कि स्वतंत्र सोच की परंपरा भारत में अभी भी सांस ले रही है और हर नई पीढ़ी इसे दृढ़ता से आगे बढ़ा रही है। इसके विपरीत अमेरिका के अनेक प्राध्यापक अब अपने कक्षाओं में यह स्वीकार करते हैं कि वे नर्वस,

2027 की जंग का शंखनाद

'महासंकल्प रैली' से मायावती की वापसी की पटकथा तैयार

संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर मायावती की वापसी की दस्तक सुनाई दे रही है। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो मायावती 9 अक्टूबर को लखनऊ के 'मान्यवर कांशीराम स्मारक स्थल' पर विशाल 'महासंकल्प रैली' के जरिए अपनी राजनीतिक ताकत का जोरदार प्रदर्शन करने जा रही हैं। यह रैली न केवल बसपा के संस्थापक कांशीराम को श्रद्धांजलि अर्पित करने का अवसर है, बल्कि मायावती द्वारा पार्टी को दोबारा पटरी पर लाने और 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी का बिगुल फूंकने का भी मंच बन गई है। को लेकर बसपा संगठन के तमाम बड़े चेहरे, जैसे आकाश आनंद, दिनेश चंद्र, घनश्याम चंद्र खरकवार, नौशाद अली, विश्वनाथ पाल, भीम राजभर, गयाचरण दिनकर, शमशुद्दीन राइनी समेत जिला, मंडल और सेक्टर स्तर तक के कार्यकर्ता सक्रिय हैं। पार्टी ने रैली में 5 लाख से अधिक लोगों को जुटाने का दावा किया है। अगर यह संख्या पूरी होती है, तो यह मायावती के लिए न केवल मनोबल बढ़ाने वाला क्षण होगा, बल्कि 2007 जैसे राजनीतिक प्रभाव की पुनरावृत्ति भी हो सकती है यह रैली इसलिए भी ऐतिहासिक मानी जा रही है क्योंकि 9 अक्टूबर कांशीराम की पुण्यतिथि है।

कांशीराम, जिन्होंने बहुजन आंदोलन को एक नई दिशा दी थी, उनके विचारों को जमीन पर उतारने वाली नेता के तौर पर मायावती खुद को प्रस्तुत करती रही हैं। ऐसे में यह आयोजन कांशीराम को श्रद्धांजलि देने से कहीं आगे बढ़कर, बसपा के 'राजनीतिक पुनर्जीवन' का रोडमैप भी पेश करेगा। मायावती ने 2007 में जिस स्थान से बहुजन वोटबैंक को एकजुट कर बहुमत की सरकार बनाई थी, उसी स्थान से अब फिर एक नए युग की शुरुआत करना चाहती हैं। तब उन्होंने 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' का नारा दिया था। इस बार क्या नया नारा और नया संदेश दिया जाएगा, इस पर सबकी निगाहें टिकी हैं। रैली की तैयारियों में बसपा कोई कसर नहीं छोड़ रही है। प्रदेश के हर जिले से भीड़ जुटाने की जिम्मेदारी अलग-अलग नेताओं को दी गई है। जिलाध्यक्षों को लक्ष्य सौंपा गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों से समर्थकों को बसों, ट्रेनों और निजी वाहनों के माध्यम से 8 अक्टूबर की रात तक लखनऊ पहुंचाएं। रैली स्थल पर ठहरने, खाने-पीने और सुरक्षा की व्यवस्थाएं भी पूरी कर ली गई हैं। कांशीराम स्मारक स्थल, जिसकी क्षमता लगभग 5 लाख लोगों की है, को पार्टी नीले झंडों जैसे पोस्टरों से पाट चुकी है।वहीं दूसरी ओर, लखनऊ नगर निगम और पुलिस प्रशासन भी रैली को लेकर सतर्क हो गया है। यातायात व्यवस्था से लेकर सुरक्षा घेरे तक सब कुछ चाक-चौबंद किया जा रहा है। स्थानीय प्रशासन को यह भली-भांति ज्ञात है कि इस रैली का असर राज्य की राजनीति पर पड़ेगा। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह रैली मायावती के लिए सिर्फ एक इवेंट नहीं, बल्कि उनकी राजनीतिक वापसी का ट्रेलर है। 2012 के बाद से बसपा सत्ता से बाहर रही है, और लोकसभा चुनावों में भी पार्टी का प्रदर्शन कमजोर रहा है। ऐसे में अब मायावती पार्टी की खोई हुई ज़मीन को फिर से पाने की दिशा में कदम बढ़ा रही हैं। मिशन-2027 मायावती के लिए सिर्फ सत्ता पाने का अवसर नहीं, बल्कि बसपा की विचारधारा को पुनर्स्थापित करने का माध्यम भी है। मायावती जानती हैं कि दलित वोटबैंक का एक बड़ा हिस्सा अब भाजपा और सपा की ओर आकर्षित हो चुका है। ऐसे में 'महासंकल्प रैली' के जरिए वह यह संदेश देना चाहती हैं कि बसपा अभी भी मैदान में है, और दलितों-पिछड़ों-अल्पसंख्यकों के हितों की असली संरक्षक वही हैं। रैली में सबसे दिलचस्प पहलू यह होगा कि मायावती के भतीजे आकाश आनंद की पार्टी में दोबारा सक्रिय भूमिका की घोषणा हो सकती है। बीते कुछ महीनों से उनके हाशिए पर रहने की अटकलें लगाई जा रही थीं। लेकिन अब संगठन की ओर से जो संकेत मिल रहे हैं, उससे स्पष्ट है कि युवाओं को जोड़ने के लिए पार्टी एक बार फिर आकाश को फ्रंटफुट पर लाना चाहती है। आकाश की उपस्थिति मायावती की सियासी सोच में बदलाव का प्रतीक मानी जा रही है। यह बदलाव न केवल नेतृत्व स्तर पर है, बल्कि संगठन की कार्यशैली में भी नयापन लाने की कोशिश है। मायावती इस रैली से दोहरा संदेश देना चाहती हैं पहला, अपने कोर वोटबैंक को फिर से संगठित करना, और दूसरा, भाजपा व सपा जैसे दलों को यह बताना कि बसपा को अब नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। भाजपा जहां हिंदू मतों के ध्रुवीकरण में व्यस्त है, वहीं सपा मुस्लिम-पिछड़ा दलित समीकरण पर काम कर रही है।

स्नेहल रिश्तों की कहानी

बुलबुल

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

तभी से मैंने अपने नहाने के समय एक मिट्टी के जग में पानी भर कर रखने लगा। फिर जैसे ही वह उड़कर मेरे नहाते समय पास आता तो मैं उसके पास पानी भरे पात्र को रख देता। बस फिर वह उस पात्र में मजे से नहाने लगता। नहा कर मैं कमरे में आकर ड्रेसिंग टेबल के पास बाल संवारने लगता तो वह भी खिड़की से उड़कर अंदर आ जाता और फड़फड़ा कर अपने गीले पंखों से पानी झड़ाने लगता। जब मैं तैयार होता तो मेरे कंधे पर आकर बैठ जाता और फिर मुझसे बातें करने लगता। मैं भी लगातार सिटी बजा बजा कर उससे बातें करते जाता। फिर हम दोनों ही साथ-साथ नीचे आते मैं खाने की टेबल में पहुंचता तो वह भी टेबल में उड़ कर बैठ जाता। खाने के टेबल में उसके लिए भी दाना पानी रखा जाता। हम लोग खाना खाते रहते तो वह भी अपने लिए रखे दाने को चुगता, बीच बीच में मेरी थाली में भी चोंच मारता। जब उसका पेट भर जाता तो वह सीधे उड़ कर बाहर चला जाता। धीरे-धीरे अब तीन महीने और बीत गए। बुलबुल का बच्चा पूरी तरह से बड़ा हो गया था। उसकी एक जो घायल टांग थी वह भी पूरी तरह से अच्छी हो गई थी। वह बहुत सुंदर अच्छा और बड़ा सा दिखने लगा था। इतने दिनों तक बुलबुल और हम मेरे रिश्ते के बारे में पासपड़ोस के लोगों को पता चल चुका था। और उसे देखने के लिए पड़ोसी आने लगे। पड़ोसी जब उसे नहीं देखते तो मुझे बोलते की हमको भी बुलबुल को दिखाओ। तब मुझे छत पर लोगों को ले जाना पड़ता और बुलबुल को सिटी की तेज आवाज मार कर बुलाना पड़ता। मेरी सिटी की आवाज वह अच्छी तरह से पहचानता था तब मेरी सिटी की आवाज सुनकर वह जहाँ कहीं भी रहता सीधे उड़कर सीधे मेरे कंधे पर आकर बैठ जाता और मुझसे बातें करने लगता। मेरे अगल-बगल खड़े लोगों से वह तो कतई नहीं डरता था जब तक मैं मौजूद रहता। (क्रमशः)

आज का राशिफल

मेषः विवेक से कार्य करें, लाभ होगा। जीवनसाथी से आर्थिक मतभेद हो सकते हैं। खर्च की अधिकता से मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कुसंगति व जल्दबाजी से बचें।

वृषभः जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। आर्थिक साधनों में बढ़ोतरी होगी। सामाजिक कार्यों में सीमित रहना चाहिए। परिवार में सुख-शांति रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी।

मिथुनः व्यवसाय ठीक चलेगा। संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। बेरोजगारी दूर होगी। जल्दबाजी न करें। प्रवास में सावधानी रखें। विरोधियों एवं शत्रुओं के कारण अशांति होगी। नवीन कार्ययोजना की बातचीत में सफलता मिलने के संयोग बनेंगे।

कर्क : व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद न करें। व्यापार में स्वयं के निर्णय से काम कर पाएँगे। स्थायी संपत्ति क्रय करने में जल्दबाजी न करें। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल होंगे। खास्स, पराक्रम में वृद्धि होगी। अपनी वस्तुओं को संभालकर रखें।

सिंहः व्यापार, नौकरी में स्थिति मध्यम रहेगी। बुद्धि, विवेक से कार्य करने पर विघ्न-बाधाएँ दूर हो सकेंगी। क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखें। बुरी खबर मिल सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। पुराना रोग उभर सकता है।

कन्याः प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। व्यापार-व्यवसाय में गति आएगी। आर्थिक समस्याओं का निराकरण संभव है। व्यापार, कारोबार में नई जवाबदारी बढ़ेगी। धर्म में रुचि रहेगी।

तुलाः मान बढ़ेगा। व्यवसाय ठ

विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के प्रति किया जागरूक

बारां.(रॉयल पत्रिका) 07 अक्टूबर। जिला निर्वाचन अधिकारी कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर एवं सीईओ व नोडल अधिकारी स्वीप राजवीर सिंह चौधरी के निर्देशानुसार आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के लिए मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से नगर परिषद एवं नगर पालिकाओं में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ, इसी क्रम में बारां नगर परिषद में आयोजित कार्यक्रम में सहप्रभारी स्वीप अमित भार्गव ने उपस्थित जन को मतदान का संकल्प कराते हुए विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की जानकारी दी तथा बताया कि जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में सम्मिलित है उन सब का भौतिक सत्यापन करने के लिए बीएलओ द्वारा गणना फॉर्म प्रत्येक मतदाता को उपलब्ध करवाया जाएगा। प्रत्येक मतदाता को गणना प्रपत्र भरने के लिए एक रंगीन फोटो व आवश्यक दस्तावेज लगाने है। गणना के लिए 2002 की मतदाता सूची को आधार माना गया है 2002 की वोटर लिस्ट को हम निर्वाचन विभाग की वेबसाइट पर ऑनलाइन देखा जा सकता है। गणना के लिए मतदाताओ को आयु वर्ग के अनुसार चार श्रेणी में बांटा गया है, प्रथम श्रेणी में ऐसे मतदाता जिनका नाम 2002 की वोटर लिस्ट में मौजूद है उन्हें गणना प्रपत्र पर अपना नवीनतम फोटो लगाना है तथा किसी प्रकार का कोई दस्तावेज शामिल नहीं करना है, वहीं दूसरी श्रेणी में ऐसे मतदाता जिनका नाम 2002 की वोटर लिस्ट में नहीं है तथा यदि जन्म तिथि 1 जुलाई 1987 से पहले की है तो फोटो के साथ एक निर्धारित पहचान पत्र लगाना होगा, वहीं तीसरी श्रेणी में ऐसे मतदाता जिनका जन्म 1 जुलाई 1987 से 2 दिसंबर 2004 तक के मध्य हुआ है, तो स्वयं का कोई एक निर्धारित पहचान पत्र और आपके पिता या माता में से किसी एक का पहचान पत्र, चौथी श्रेणी में ऐसे मतदाता जिनका जन्म 2 दिसंबर 2004 के बाद का है, तो एक स्वयं का पहचान पत्र साथ में पिता एवं माता का भी एक-एक पहचान पत्र देना होगा, तीसरी और चौथी श्रेणी के ऐसे मतदाता जिनके माता-पिता का नाम 2002 की मतदाता सूची में दर्ज है तो ऐसे मतदाता को सिर्फ स्वयं का पहचान पत्र ही संलग्न करना है। इससे वोटर लिस्ट में आपके नाम की पुष्टि हो जाएगी। गणना फॉर्म निर्वाचन विभाग की वेबसाइट पर ऑनलाइन भी स्वयं मतदाता द्वारा भरा जा सकता है।

इस दौरान स्वास्थ्य निरीक्षक नरसीलाल स्वामी ने उपस्थित लोगों से पुनरीक्षण कार्यक्रम में प्रपत्र भरने के लिए अपने दस्तावेज पहले से तैयार रखने तथा अपने परिचित जनों से इसका प्रचार प्रसार करने की बात कही। वहीं स्वीप सदस्य राजेश गौतम ने मतदाता जागरूकता गीत के माध्यम से लोगों को प्रेरित किया, कार्यक्रम में स्वीप सदस्य राजेंद्र मीणा, परिषद स्टाफ, कार्यवाहक जमादार रवि नरवाल राजेंद्र, दुली चंद, अजय, महिला एवं पुरुष स्वच्छता कार्मिक मौजूद रहे।

हस्तशिल्प प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केंद्र

-अल्पसंख्यक ऋण मेला सह जागरूकता शिविर आयोजित

जयपुर।राष्ट्रीय अल्पसंख्यक विकास एवं वित्त निगम भारत सरकार तथा राजस्थान अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास सहकारी निगम लिमिटेड के सहयोग से बुधवार को जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, जयपुर कार्यालय परिसर में ऋण मेला सह जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य अल्पसंख्यक वर्ग के युवाओं और उद्यमियों को विभिन्न ऋण योजनाओं की जानकारी देना और उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित करना था।

इस अवसर पर जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी अभिषेक सिद्ध ने बताया कि शिविर के दौरान प्रतिभागियों को व्यवसाय आमुखीकरण,ऋण अदायगी के प्रोत्साहन,बिजनेस एकाउंटिंग सिस्टम जैसे विषयों पर तकनीकी सत्रों के माध्यम से मार्गदर्शन प्रदान किया गया साथ ही लाख की चूड़ियां,जयपुरी जूती,हैंडमेड उत्पाद और आरा तारी कार्य जैसे स्थानीय हस्तशिल्प उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई जिसने आगंतुकों का ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम में राज्य सरकार की एक मुश्त समाधान योजना के अंतर्गत ऋण की बकाया मूलधन राशि जमा कराने वाले लाभार्थियों को NOC प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। इस पहल को उपस्थित उद्यमियों और सामाजिक संगठनों ने सराहा।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व अध्यक्ष राजस्थान राज्य अल्पसंख्यक आयोग जसवीर सिंह उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में हमीद खान मेवाती प्रदेशाध्यक्ष भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा,हिदायत खान धोलिया पूर्व चेयरमैन राजस्थान मदरसा बोर्ड,पदम बिलाला प्रांतीय अध्यक्ष धर्म जागृति संस्थान,प्रज्ञा मित्र बोध अध्यक्ष राजस्थान बोध महासंघ, रजनी सिंह प्रबंध निदेशक RMFDCC,पार्षद प्रतिनिधि हाजी जाकिर खान खो-नागोरियान क्षेत्र एवं समाजसेवी निशात हुसैन शामिल हुए। शिविर में जयपुर की विभिन्न NGO और समाजसेवी संगठनों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय उद्यमियों,महिला स्व-सहायता समूहों और युवाओं ने हिस्सा लिया। सभी ने कहा कि ऐसे शिविर न केवल आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम हैं,बल्कि यह रोजगार सृजन और सामाजिक जागरूकता की दिशा में भी सार्थक कदम हैं। इस कार्यक्रम में सभी अल्पसंख्यक समुदाय की भागीदारी रही।

चूरू के सीनियर प्रशासनिक सेवा से रिटायर्ड होकर पहुंचे अजीजुल हसन गोरी का सामाजिक संस्थाओं द्वारा सम्मान किया गया

चूरू मोहम्मद अली पठान/ जिला मुख्यालय पर प्रशासनिक सेवा से रिटायर्ड होकर जोधपुर से चूरू अपने गृह क्षेत्र पहुंचे अतिरिक्त जिला कलेक्टर अजीजुल हसन गोरी का समाज एवं सामाजिक संस्थाओं द्वारा सम्मान किया गया जिसमें युवा कायमखानी वेलफेयर सोसाईटी एंव इंटेलेक्चुअल मुस्लिम्स सोसायटी द्वारा संयुक्त रूप से प्रशासनिक सेवा से 30 सितंबर, 2025 को सेवानिवृत हुवे अजीजुल हसन गौरी (वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी) अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) एचसीएम, रीपा, जोधपुर को माला साफा और प्रतीक चिन्ह भेट कर सम्मानजनक इस्तक़बाल किया गया। अजीजुल हसन गौरी एक सरल स्वभाव के धनी हैँ राजकीय सेवा के दौरान आपके द्वारा किये गये अमूल्य कार्य समाज हमेशा याद रखेगा। ज्ञात रहे आप शिक्षाविद् नियाज उल हक गोरी के पुत्र हैं और सीनियर फिजिशियन डॉ एफ एच गोरी के भाई हैं कार्यक्रम मे इंटेलेक्चुअल मुस्लिम्स सोसाइटी से अध्यक्ष शौकत अली खा झारिया रिटायर्ड एडिशनल कमिश्नर, अयूब खान रिटायर्ड एडिशनल एसपी, डॉ एफ एच गौरी रिटायर्ड पीएमओ, रसीद खां मोयल रिटायर्ड प्रिंसिपल,जाकिर झारीयेवाला, एवं युवा कायमखानी वेलफेयर सोसाईटी से आजम अली खा,पूर्व सरपंच, अध्यक्ष जिला वक्फ बोर्ड, रिजवान खान अध्यक्ष, मैनुदीन फतेहखानी, सिकंदर खां दौलतखानी, इनायत खा मोयल, मुंशी खा चायल, शमशेर भालू खां सहजुसर, अरशद खान नव ज्ञान ज्योति स्कूल डायरेक्टर, अयूब खां PHED, रहमान खा राणासर, सिकंदर खांन एलमाण आदि मौजूद रहे। इसी क्रम में राजस्थान कायमखानी महासभा के द्वारा आपका फूल माला और सोल उढाकर कर मोमेंटो भेंट किया गया। जिसमें जिला अध्यक्ष मुंशी खान चांदखानी, सलामुद्दीन खान मास्टर, महम्मुद खान के के, आमीन खान रिटायर्ड रेलवे स्टेशन अधीक्षक, रमजान खा जोईया ,सिकंदर खान टेंट, व्याख्याता इकबाल गोरी, आदि उपस्थित रहे।

केंद्रीय पर्यवेक्षक ने किया क्षेत्र का दौरा, एक - एक कार्यकर्ताओं से लिया जिला कांग्रेस संगठन के बारे में फिडबेक

लाडनूं / मोहम्मद अली पठान

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की जिला प्रभारी पुर्व सांसद डॉ. अम्मी याग्निक जी, प्रदेश कांग्रेस के सुशील पारीक एवं श्रीमती जाहिदा शबनम , जिला अध्यक्ष जाकिर हुसैन गेसावत, विधायक मुकेश भाकर के नेतृत्व में डीडवाना-कुचामन जिले की जिला एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों की कार्यकारिणी के साथ लाडनूं में बैठक सम्पन्न हुई|

बैठक में जिला कांग्रेस संगठन सृजन अभियान के तहत नये जिला अध्यक्ष के चयन हेतु कार्यकर्ताओं से अलग-अलग मुलाकात कर सुझाव सुने गए। सभी ब्लॉक एवं जिला पदाधिकारियों ने अपनी राय साझा की और संगठन को मज़बूत करने के संकल्प को दोहराया।बैठक के उपरांत आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस पार्टी की संगठनात्मक मजबूती, जनता से जुड़ाव और भविष्य की दिशा पर चर्चा की गई, कांग्रेस पार्टी की यही ताकत है — संगठन, संवाद और समर्पण। इस अवसर पर क्षेत्र से बहुत से कांग्रेसी नेताओं ने जिला अध्यक्ष पद के लिए आवेदन-पत्र पेश किया, इसमें सबसे महत्वपूर्ण भुमिका मुस्लिम समुदाय की रही जिन्होंने कांग्रेस की सत्ता और संगठन में मुस्लिम समुदाय की भागीदारी तय करने और मुस्लिम समुदाय के कांग्रेसी नेता को डीडवाना कुचामन जिले का नया अध्यक्ष बनाने के लिए लिखित में संयुक्त हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन सौंपा। नगर पालिका अध्यक्ष रावत खां लाडवाण, शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष होसियार अली खां, कांग्रेस नेता मो. मुश्ताक खान कायमखानी, पार्षद मो. मनसब खां, आरीफ खां, अयुब खां मोयल, अब्दुल मुनान बिसायती, शाहरुख फोजी, पार्षद सतार खां, पीसीसी सदस्य शोकत खां, पुसे खां, पार्षद नौशाद सिसोदिया, पार्षद वसीम अकरम, पार्षद रुखसार, निजामुद्दीन, हबीब खां, पुर्व पार्षद रमजान सिसोदिया, अली मोहम्मद, मो. साबीर सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने वर्तमान जिला कांग्रेस अध्यक्ष मकराना विधायक जाकिर हुसैन गेसावत और लाडनूं से कांग्रेस नेता लियाकत अली के नामों पर अपनी सहमति जाहिर की तथा बताया की वर्तमान डीडवाना कुचामन जिला बनने के चलते जिले में मुस्लिम समुदाय के मतदाताओं की संख्या काफी है तथा कांग्रेस पार्टी को विधानसभा और लोकसभा चुनाव में 95% प्रतिशत मतदान मुस्लिम समुदाय की तरफ से किया जाता रहा है इसलिए इस महत्वपूर्ण मुद्दे को मद्देनजर रखते हुए मुस्लिम समुदाय से कांग्रेस का जिला अध्यक्ष बनाने के लिए पार्टी हाईकमान को हमारी भावनाओं से अवगत कराया जाए। इसके अलावा दलित व जाट समुदाय से भी कुछ लोग आगे आएं जिन्होंने जिला अध्यक्ष पद के लिए आवेदन-पत्र प्राप्त किया। कार्यक्रम में शहर और ग्रामीण कांग्रेस से जुड़े सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया।

सचिन पायलट के साथ चूरू से बीकानेर गए कांग्रेस जन पूर्व नेता प्रतिपक्ष के निधन पर शोक व्यक्त किया

चुरू मोहम्मद अली पठान/पूर्व उपमुख्यमंत्री व एआईसीसी के महासचिव कांग्रेस के वरिष्ठ नेता युवा दिलों की धड़कन सचिन पायलट से जयपुर से बीकानेर जाते समय रतनगढ़ सर्किल पर चूरू नगर परिषद के पूर्व सभापति गोविंद महन सरिया ने दर्जनों गाड़ियों में चुरू से गए सैकड़ो कार्यकर्ताओं के साथ सचिन पायलट से मुलाकात कर पायलट के साथ पूर्व प्रतिपक्ष नेता रामेश्वर डूडी के निधन पर संवेदना व्यक्त करने बीकानेर गये।महन सरिया ने बताया कि पायलट के साथ सैकड़ो गाड़ियों के काफिले में अनेक विधायक व कांग्रेस पदाधिकारी एवं वरिष्ठ कांग्रेसजन साथ थे।

पाली पुलिस का ऑपरेशन गुप्त ऑपरेशन प्रहार शुरू

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका) पाली पुलिस अधीक्षक आदर्श सिधू ने बुधवार को ऑपरेशन प्रहार व आपरेशन गुप्त का पोस्टर जारी किया। इसके तहत मोबाइल नंबर 92512 55006 जारी किए गए। जिस पर आम लोग किसी भी अवैध गतिविधि की जानकारी इस मोबाइल नंबर पर शेयर कर सकेंगे इस मोबाइल नंबर की मॉनिटरिंग एसपी खुद करेंगे। इस दौरान पुलिस अधीक्षक आदर्श सिधू ने पुलिसकर्मियों के साथ दोनों अभियानों का पोस्टर का जारी किया। इस दौरान ए एस पी विपिन शर्मा, ए एस पी नरेंद्र देवड़ा,सीओ सिटी राजेन्द्र सिंह,सी ओ ग्रामीण रतनाराम देवासी सहित कई थानाधिकारी मौजूद रहे।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेकर लौटे खिलाड़ियों का स्वागत

चूरू मोहम्मद अली पठान/शहीद राजेश कुमार फगेड़िया राउमावि घांघू में आयोजित कार्यक्रम में 69 वीं राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में अंडर-19 वर्ष क्रिकेट स्पर्धा में भाग लेकर लौटे छात्र खिलाड़ियों का स्वागत किया गया तथा पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रभारी संस्था प्रधान सुनिल कुमार ने बताया कि विद्यालय की अंडर-19 वर्ष छात्रों की टीम ने जिला स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल तक का सफर किया। साथ ही विद्यालय के दो छात्र शाहिद खान पुत्र अरशद खान एवं मो. अयान पुत्र मो खालिक का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चूरु जिला टीम में हुआ जो कि विद्यालय परिवार एवं संपूर्ण गांव के लिए गौरव का विषय है।संस्था प्रधान ने टीम को तैयार करने वाले वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक सफी मोहम्मद का धन्यवाद दिया तथा विद्यालय स्टॉफ द्वारा वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक सफी मोहम्मद का भी माल्यार्पण द्वारा अभिनन्दन किया गया।व.शा.शि सफी मोहम्मद ने खिलाड़ियों की पूरी खेल- यात्रा पर विस्तार से चर्चा की तथा बताया कि चूरू टीम में चयनित दोनो छात्रों का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा। उन्होंने बताया कि हमारे विद्यालय के सात (7) खिलाड़ी एथलीट टुर्नामेंट में भाग लेने गये हैं।इस अवसर पर विद्यालय के पूर्व छात्र मो अजीज पुत्र मो. अजीज का भी अभिनन्दन किया गया। कार्यक्रम का संचालन मनोज सेवरा ने किया। इस अवसर पर रामरख शिवरान, शीशराम श्योराण, बाबूलाल गुर्जर, सजाद खान, सुभाष चन्द्र, अरविंद सैनी, नेमीचंद, नवरतन, विद्या महरिया, सीमा मीणा, पूनम मीणा, बिन्नु कावेया, कमलेश, सुमन कस्वा आदि उपस्थित रहे।

सांचौर एलिवेटेड पुल पर उड़ती धूल बनी परेशानी का सबक,आमजन जान जोखिम में डालकर कर रहे हैं नेशनल हाईवे पर सफर प्रशासन मौन

सांचौर (रॉयल पत्रिका) नेशनल हाईवे 68 पर सफर करना आप लोगों के लिए किसी खतरे से कम नहीं है एलिवेटेड पुल पर बिना डामरीकरण सड़क होने से उड़ती धूल से लोगों का चलना तक मुश्किल हो गया है सुबह से शाम तक उड़ती धूल के गुब्बारे से जहां दुपहिया चालकों की आंखें खुली रहना मुश्किल हो जाता है वहीं राहगीर भी धूल में लिपटे नजर आते हैं जैसे आंधी का गोला चल रहा हो उस तरह धूल के गुब्बारे उड़ते नजर आ रहे हैं। लोगों का कहना है कि बार-बार शिकायत करने और धरना प्रदर्शन करने के बावजूद भी एनएचएआई के अधिकारियों की हॉट हठधर्मिता और कंपनी की मनमानी के चलते हालात जस के तस बने हुए हैं। एलिवेटेड पुल पर पक्की द डामरीकरण सड़क का काम महीनों से अधूरा पड़ा है जिसके कारण चारों ओर धूल उड़ती हैं धूल के कारण लोगों को दम सांस की तकलीफ,आंखों में जलन और त्वचा संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है इधर दिवाली का त्यौहार होने के कारण व्यापारियों के आंखों में दम कर दिया है धूल के गब्बरो ने आसपास के व्यापारियों ने बताया कि लगातार उड़ती धूल से दुकान का सामान और खाने-पीने की वस्तुएं सब खराब हो रही है मजबूरन कई दुकानदारों को अपना व्यापार अस्थाई रूप से बंद करना पड़ा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह समस्या पिछले कई महीनो से जारी है लेकिन संबंधित विभाग और निर्माण कंपनी की उदासीनता के कारण कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है लोगों ने चेतावनी दी हैं अगर शीघ्र ही सड़क का डामरीकरण कार्य शुरू नहीं किया गया तो वह बड़े स्तर पर विरोध आंदोलन शुरू करेंगे। आमलोगों ने जिला प्रशासन और एनएचआई के अधिकारियों से मांग की है कि एलिवेटेड पुल पर त्वरित डामरीकरण कार्य शुरू किया जाए ताकि धूल की समस्याओं से निजात मिले और आमजन को राहत मिल सके ऐसा ही रवैया रहा तो त्योहार दिवाली का व्यापारियों के लिए बड़ी मुश्किल खड़ा कर सकता है और दुपहिया वाहन चालकों को आंखों में धूल आने से कई बार हादसे के शिकार हो जाते हैं धूल के गुब्बारे के कारण पहले भी कई हादसे हो चुके हैं एनएचएआई के अधिकारियों से मांग की गई है जल्दी से जल्द दोनों और डामरीकरण कार्य शुरू करवाए ताकि आमजन को रात मिल सके।

शहरी सेवा शिविर में भोमाराम प्रजापत को मिला आवासीय पट्टा तो जताई खुशी

चूरू मोहम्मद अली पठान/मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की आमजन को सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का सीधा लाभ पहुंचाने की मंशा के साथ चलाए जा रहे "शहरी सेवा शिविर" आमजन के लिए संबल बनते जा रहे हैं।चूरू जिले की बीदासर नगरपालिका में आयोजित शहरी सेवा शिविर में जब बीदासर के दड़िबा निवासी भोमाराम प्रजापत को आवासीय मकान का पट्टा मिला तो उन्होंने पूरे परिवार की ओर से प्रदेश सरकार का आभार जताया। भोमाराम ने बताया कि वह कई वर्षों से नगर क्षेत्र में रह रहे थे, लेकिन उनके पास मकान का पट्टा नहीं था। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा बीदासर नगरपालिका कार्यालय में पट्टा बनाने हेतु पत्रावली प्रस्तुत की गई थी। मंगलवार को जब शिविर की सूचना मिली तो उन्होंने उपस्थित होकर अपने आवेदन की जानकारी ली। इस पर नगरपालिका कार्यालय ने उन्हें मौके पर ही नियमानुसार कार्यवाही करते हुए 69 क के तहत आवासीय मकान का पट्टा दिया। उन्होंने पट्टा प्राप्त कर प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में आयोजित हो रहे शहरी सेवा शिविर आमजन के लिए वरदान साबित हो रहे हैं।

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया राष्ट्रीय अवार्ड से होगें सम्मानित

चौमूं। राष्ट्र स्तरीय "मदर टेरेसा समर्पण समाज गौरव-2025" अवार्ड के लिए बलाई विकास समिति जयपुर (मुख्यालय-चौमूं) के महासचिव व टांकरड़ा निवासी सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया का चयन हुआ है। अंतरराष्ट्रीय समर्पण संस्था द्वारा 9 नवंबर को जयपुर दुर्गापुरा राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान सियाम ऑडिटोरियम में आयोजित होने वाले समारोह में समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर हरसोलिया का चयन किया गया है। उनको भव्य समारोह में सम्मानित किया जाएगा।

"मदर टेरेसा समर्पण समाज गौरव-2025" अवार्ड में चयन होने पर हरसोलिया ने समर्पण संस्था के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. दौलत राम माल्या, सचिव कमल नयन खंडेलवाल, उपाध्यक्ष हीरालाल बैरवा व कार्यालय प्रबंधक त्रिलोक

माल्या आदि पदाधिकारियों को धन्यवाद दिया एवं हार्दिक आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त समाचार

बिहार चुनाव से पहले शिवसेना नेता संजय निरुपम ने उठा दी बड़ी मांग

मुंबई, एजेंसी। बिहार में विधानसभा चुनावों की घोषणा से पहले शिवसेना नेता संजय निरुपम ने मुंबई में एक बड़ी मांग उठाई। संजय निरुपम ने कहा कि महाराष्ट्र में नकली और डुप्लीकेट वोटर्स को हटाने के लिए महाराष्ट्र में भी एसआईआर होना चाहिए। एनएनआई से बात करते हुए शिवसेना नेता ने कहा कि बिहार में आज विधानसभा चुनाव के लिए तारीखों का ऐलान हो सकता है। मेरी इच्छा है कि बिहार के लोग बड़ी संख्या में वोट डालें और सही फैसला लें। संजय निरुपम ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया से पहले यहां पर एसआईआर हुआ। इसके तहत फेक वोटर्स को हटाया गया। घुसपैठियों और नकली नामों का सफाया हुआ। इस प्रक्रिया में 4 मिलियन नकली वोटरों के नाम भी वोटर लिस्ट से हटाया जा चुका है। उन्होंने कहा कि इसी तरह से महाराष्ट्र में भी वोटर लिस्ट की सफाई होनी चाहिए। संजय निरुपम ने कहा कि यहां पर बड़ी संख्या में नकली वोटर्स और घुसपैठिए शामिल हैं। उन्होंने कहा कि शिवसेना की तरफ से हम

महाराष्ट्र में एसआईआर की मांग करते हैं। इस बीच सपा के सांसद अवधेश प्रसाद ने विश्वास जताया कि चुनाव आयोग बिहार में साफ-सुधरा चुनाव संपन्न कराने में कामयाब रहेगा। अवधेश प्रसाद ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि चुनाव आयोग संविधान में लोगों को दिए गए मताधिकार को सख्ती से लागू करेगा। संविधान की रक्षा होगी, लोकतंत्र की रक्षा होगी, और मुझे उम्मीद है कि चुनाव आयोग स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराएगा। उन्होंने आगे कहा कि मुझे उम्मीद है कि मतदाता सत्ता परिवर्तन की शुरुआत करेंगे। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए तारीखों की घोषणा आज शाम 4 बजे चुनाव आयोग करने वाला है। वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर, 2025 को समाप्त हो रहा है। राजनीतिक दलों ने मतदाता भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए आयोग से छठ पर्व के तुरंत बाद चुनाव कराने का आग्रह किया है।

गाजियाबाद के पूर्व पार्षद को मर्डर मामले में उम्रकैद की सजा, जुर्माना भी भरना पड़ेगा

गाजियाबाद , एजेंसी। गाजियाबाद की एक अदालत ने बार एसोसिएशन के पूर्व सचिव के भाई की हत्या के मामले में सोमवार को पूर्व पार्षद समेत दो को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। दोनों पर 25-25 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। चार अक्तूबर को कोर्ट ने दोषी करार दिया था। अभियोजन पक्ष के अधिवक्ता नवीन त्यागी ने बताया कि अशोक नगर निवासी नरेश यादव और उनका भतीजा जितेंद्र यादव 14 नवंबर 2004 को रामनगर स्थित दफ्तर पर बैठे थे। वहां हमलावरों ने उन पर गोली चला दी। गोली लगने से नरेश यादव की मौत हो गई थी ।मृतक के भाई विजयपाल ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस की जांच में पूर्व पार्षद मनीष पंडित उर्फ पप्पू और उसके साथी मनोज फौजी का नाम सामने आया था। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था।

चार अक्तूबर को मामले की सुनवाई एडीजे 12 कोर्ट के न्यायाधीश जुनैद मुजफ्फर की कोर्ट में हुई। कोर्ट ने सबूत और गवाहों के बयान के आधार पर पूर्व पार्षद मनीष पंडित उर्फ पप्पू और मनोज फौजी को दोषी करार दिया ।इसके बाद कोर्ट ने सजा के प्रश्न पर छह अक्तूबर की तारीख नियत की थी। सोमवार को अदालत में इस मामले में अंतिम सुनवाई हुई। हत्या करने के मामले में पूर्व पार्षद समेत दोनों को अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई। कोर्ट में एनआरएचएम घोटाले के मामले में सोमवार को गवाही हुई। अदालत में पेश डॉक्टर ने बयान दर्ज कराया। कोर्ट ने सुनवाई के लिए 11 नवंबर की अगली तारीख नियत की ।बलरामपुर के जिला अस्पताल में एनआरएचएम के तहत वर्ष 2010-11 में लाखों रुपये की दवाई सप्लाई की गई थी, जिसमें घोटाला होने की शिकायत सीबीआई को प्राप्त हुई थी।

हिमाचल में समय से पहले शुरू हो गई बर्फबारी

चारो तरफ छाई हुई है सफेदी; मैदानों पर बारिश का अलर्ट

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में अक्तूबर के शुरुआती हफ्ते में हो रही बर्फबारी ने पूरे प्रदेश को ठंड की चपेट में ला दिया है। आमतौर पर दिसंबर-जनवरी में गिरने वाली बर्फ इस बार समय से पहले गिरने से मौसम ने सबको चौंका दिया है। लाहौल-स्पीति, किन्नौर, कुल्लू और चम्बा जिलों के ऊपरी इलाकों में रुक-रुक कर बर्फबारी हो रही है, जबकि राजधानी शिमला समेत राज्य के कई मैदानी क्षेत्रों में तेज हवाओं के साथ बारिश का दौर जारी है। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से मौसम में यह बदलाव आया है। तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है और पहाड़ी इलाकों में ठंड ने दिसंबर जैसी दस्तक दे दी है।

मौसम विभाग के अनुसार राज्य का औसतन न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.6 डिग्री नीचे चला गया है। लाहौल-स्पीति जिला मुख्यालय केलंग में सोमवार को न्यूनतम तापमान 0.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जिससे यहां सर्दी का असर तेज हो गया है। किन्नौर के कल्पा में न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री, ताबो और कुकुमसेरी में 5.2 डिग्री, नारकंडा में 5.8, डलहौजी में 6, कुफ़री में 6.8, मनाली में 8.5, भरमौर में 7 और राजधानी शिमला में न्यूनतम तापमान 11.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। तापमान में गिरावट के चलते लोगों ने गर्म कपड़े निकाल लिए हैं और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में अलाव का सहारा लेना शुरू कर दिया है।

पूरी घाटी में दो इंच तक ताजा बर्फबारी हुई

लाहौल-स्पीति में बीती रात से बर्फबारी के दौर चल रहा है। अटल टनल रोहतांग, सिस्सू और कोकसर सहित पूरी घाटी में दो इंच तक ताजा बर्फबारी हुई है। बर्फबारी के चलते सड़कों पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई है और वाहन धीरे-धीरे रेंगते हुए चल रहे हैं। लाहौल घाटी में ठंड बढ़ने से जनजीवन प्रभावित हो गया है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार अगले 24 घण्टों के दौरान ऊंचे इलाकों में बर्फबारी का दौर जारी रहने की संभावना है। लाहौल स्पीति और चम्बा के ऊपरी इलाकों में बर्फबारी का अलर्ट जारी किया गया है। चम्बा जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल साच पास में भी सीजन की पहली बर्फबारी दर्ज की गई है। यहां दो से ढाई इंच तक ताजा बर्फ गिरी है। इससे क्षेत्र में सर्दी की शुरुआत हो गई है। लोग अब गर्म कपड़े पहनकर बाहर निकल रहे हैं। किन्नौर में भी हल्का हिमपात हुआ है, जबकि निचले इलाकों में लगातार हल्की बारिश हो रही है। राज्य के कई निचले व मैदानी क्षेत्रों में भी बारिश का सिलसिला जारी है। मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, कांगड़ा जिला के गुलेर में सर्वाधिक 42 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है, जबकि नगरोटा सुरियां में 38, भरविन में 37, देहरा गोपीपुर में 35, सिरमौर के पच्छाद में 34, हमीरपुर के अगघर में 32 और नादौन में 28 मिलीमीटर वर्षा हुई है। कुल्लू जिले के गोंदला में 5 सेंटीमीटर और केलंग में 4 सेंटीमीटर बर्फबारी दर्ज की गई है।

सामाजिक समरसता ही राष्ट्र की सच्ची शक्ति : इरफ़ान अहमद

नई दिल्ली (ग्रुप 5 संवाददाता) 7 वरिष्ठ समाजसेवी एवं पसमांदा मुस्लिम समाज उत्थान समिति संघ के मुख्य राष्ट्रीय संरक्षक मोहम्मद इरफ़ान अहमद ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहनजी भागवत के विचार आज के भारत के लिए अत्यंत प्रासंगिक हैं। उन्होंने अपने अनेक भाषणों में सामाजिक समरसता – अर्थात सभी वर्गों, धर्मों और समुदायों में एकता, सद्भाव और समानता – पर विशेष बल दिया है। इरफ़ान अहमद ने कहा कि मोहन भागवत के अनुसार सामाजिक समरसता का अर्थ है जाति, धर्म, लिंग या राष्ट्रीयता जैसी किसी भी भिन्नता से ऊपर उठकर प्रेम, सह-अस्तित्व और आपसी सम्मान की भावना को मजबूत करना। उन्होंने बताया कि सरसंघचालक ने समाज में व्याप्त अस्पृश्यता और ऊँच-नीच की भावना को जड़ से समाप्त करने का आह्वान किया है ताकि हर नागरिक राष्ट्र की मुख्य धारा से जुड़ सके और एक सशक्त, एकीकृत और प्रगतिशील भारत का निर्माण हो। इरफ़ान अहमद ने कहा, ÷हमारे देश की मूल भावना 'वसुधैव कुटुम्बकम' है, जो पूरे विश्व को एक परिवार मानने का संदेश देती है। जातिगत भेदभाव और ऊँच-नीच की भावना देश की एकता को कमजोर करती है। कोई ऊँचा नहीं, कोई नीचा नहीं – हम सब एक हैं।÷ उन्होंने आगे कहा कि इतिहास में अनेक विदेशी आक्रमणों और अत्याचारों के बावजूद भारत अपनी सांस्कृतिक विरासत के साथ दृढ़ता से खड़ा रहा। इरफ़ान अहमद ने मोहन भागवत के उस विचार को भी दोहराया जिसमें उन्होंने कहा था कि, ÷हिन्दू-मुस्लिम एकता की बात बेमानी है, क्योंकि जो पहले से एक हैं, उन्हें जोड़ने की आवश्यकता ही नहीं। वैज्ञानिक सत्य है कि पिछले 40 हजार वर्षों से हमारा डीएनए एक ही है – पूजा पद्धति बदल सकती है, पर हमारी सांस्कृतिक धारा एक है।÷ अंत में इरफ़ान अहमद ने कहा कि देश की विविधता में एकता को बनाए रखना हर नागरिक का दायित्व है। सामाजिक समरसता और पारस्परिक सम्मान से ही भारत को विश्वगुरु बनाने का स्वप्न साकार होगा।

नकली सोने की ईंट बेचकर ठगने वाले 2 शातिर ठग दबोचे

नूंह , एजेंसी। नूंह के साइबर अपराध थाना पुलिस टीम ने नकली सोने की ईंट बेचकर लोगों से ठगी करने वाले गैंग के दो शातिर ठगों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नूंह के तिरवाड़ा गांव निवासी इब्बन और सालाहेड़ी निवासी तौफिक के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से फर्जी सिम कार्ड, मोबाइल फोन, नकली सोने की ईंट के टुकड़े, हथौड़ी और छैनी सहित कई अन्य सामान बरामद किए हैं।

जिला पुलिस प्रवक्ता कृष्ण कुमार ने बताया कि साइबर अपराध की रोकथाम के लिए साइबर पुलिस की एक टीम घासेड़ा बाईपास पर मौजूद थी। उसी दौरान सूचना मिली कि इब्बन और तौफिक फर्जी सिम कार्ड की मदद से लोगों को सोने की ईंट बेचने का झांसा देकर ठगी करते हैं और फिलहाल बाईपास पर मौजूद हैं। सूचना के आधार पर टीम ने तुरंत छापेमारी कर दोनों युवकों को दबोच लिया। उन्होंने पूछताछ में अपने नाम इब्बन और तौफीक बताए। तलाशी लेने पर इब्बन से एक मोबाइल फोन, अन्य व्यक्तियों के नाम से जारी दो सिम कार्ड और एक छोटी पॉलीथिन में पीले रंग की धातु के सैंपल मिले। वहीं, तौफिक से एक मोबाइल फोन, एक हथौड़ी, छैनी और नकली सोने की ईंट के टुकड़े बरामद किए गए।

फरीदाबाद में बुलडोजर ऐक्शन, दो अवैध कॉलोनियों में तोड़फोड़ की गई

फरीदाबाद , एजेंसी। फरीदाबाद में डीटीपी इन्फोर्समेंट की टीम ने अवैध निर्माणों के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया। टीम ने सोमवार को गांव मच्छगर और दयालपुर में करीब 10 एकड़ में बसाई जा रही दो अवैध कॉलोनियों में तोड़फोड़ कार्रवाई की। इस दौरान टीम ने बुलडोजर से अवैध निर्माणों को ध्वस्त कर दिया। लोगों ने कार्रवाई का विरोध किया तो पुलिस ने उन्हें समझा शांत कर दिया। डीटीपी इंफोर्समेंट अधिकारी यजन चौधरी ने बताया कि उन्हें कई दिनों से गांव मच्छगर और दयालपुर क्षेत्र में अवैध रूप से कॉलोनियों बसाने की सूचना मिल रही थी। सूचना के आधार पर टीम गठित की गई। टीम को मौके पर कार्रवाई के आदेश दिए गए। सोमवार को विभागीय टीम दो जेसीबी के साथ कॉलोनियों में पहुंची। इस दौरान गांव मच्छगर में छह एकड़ और दयालपुर में करीब 4 एकड़ में कॉलोनियां बसाई जा रही थी।

राव नरेंद्र सिंह की ताजपोशी में नहीं रहे कैप्टन अजय यादव और कुमारी सैलजा

चंडीगढ़, एजेंसी।

हरियाणा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह की सोमवार को ताजपोशी हो गई है। उन्होंने प्रदेश कार्यालय जाकर पदभार संभाल लिया। इस मौके पर नेता विपक्ष भूपिंदर सिंह हुड्डा, पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह, कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला और रोहतक के सांसद दीपेंदर हुड्डा मौजूद थे। इसके अलावा राज्य के प्रभारी बीके हरिप्रसाद भी मौके पर पहुंचे, लेकिन जो लोग नहीं पहुंचे, उनकी चर्चा ज्यादा रही। इन लोगों में कांग्रेस के सीनियर नेता कैप्टन अजय सिंह यादव और कुमारी सैलजा शामिल हैं। कैप्टन अजय यादव ने तो ट्विटर पर एक पोस्ट लिखकर राव नरेंद्र सिंह को अध्यक्ष बनाए जाने पर खुला ऐतराज जाहिर किया था। उन्होंने कैश फॉर लैंड यूज केस में राव नरेंद्र सिंह के खिलाफ दर्ज एफआईआर का हवाला दिया था। उनका कहना था कि राहुल गांधी चाहते थे कि साफ छवि का कोई नेता हरियाणा में अध्यक्ष बने। लेकिन ऐसा नहीं हुआ है और इससे जमीनी कार्यकर्ताओं का मनोबल गिरा है। उनका यह ट्वीट और फिर ताजपोशी से दूरी बनाना बता रहा है कि वह निर्णय से खुश नहीं हैं। वहीं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा को लेकर बताया जा रहा है कि वह बीते कुछ दिनों से विदेश में हैं। यही नहीं कार्यक्रम में मौजूद बीरेंद्र सिंह ने भी इशारों में ही नसीहत भी दी। उन्होंने कहा कि नए अध्यक्ष की यह जिम्मेदारी रहेगी कि वह जमीनी स्तर पर संगठन खड़ा करें और खासतौर पर ब्लॉक लेवल पर ऐसा किया जाए। बीरेंद्र सिंह ने कहा कि यदि कांग्रेस में एकता रही तो हुड्डा 7 महीने में ही सीएम बन जाएंगे। इसके लिए 4 साल की जरूरत नहीं है। यदि कांग्रेस ने जमीन पर जनता को संदेश दिया तो फिर भाजपा को हरियाणा छोड़कर जाना होगा। हरिप्रसाद की ओर संकेत करते हुए बीरेंद्र सिंह ने कहा कि आपने राव नरेंद्र सिंह को अध्यक्ष बनाया है और हुड्डा को नेता विपक्ष बना दिया है। अब जमीन पर संगठन भी खड़ा करें। आपके पास 37 विधायक हैं और यह काम दो घंटे में हो सकता है।

इसके आगे नसीहत देते हुए उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं रहे कि पसंदीदा को लोगों को चुन लिया जाए। उन्होंने कहा कि यदि मेरे जैसे किसी वरिष्ठ नेता को अध्यक्ष बना दिया जाता तो बहुत लोग खिलाफ हो जाते।

जीडीए के जर्जर मकानों में रहने वालों को फ्लैट मिलेंगे, किन लोगों को फायदा

जीडीए और एनबीसीसी के बीच इस हफ्ते समझौता पत्र भी साइन हो सकता है

गाजियाबाद , एजेंसी।
जीडीए ने तुलसी निकेतन योजना के पुनर्विकास को लेकर प्रक्रिया तेज कर दी है। जीडीए और एनबीसीसी के बीच इस हफ्ते समझौता पत्र भी साइन हो सकता है, जिसके बाद वहां के जर्जर मकानों में रहने वाले लोगों को जल्द नए फ्लैट मिल सकेंगे।जीडीए वर्ष 1989-90 में 7.83 हेक्टेयर क्षेत्रफल में तुलसी निकेतन योजना लाया था, जिसमें 2004 ईडब्ल्यूएस और 288 एलआईजी बनाए गए। कुल 2,292 मकानों में 60 दुकान भी संचालित हैं। यहां 20 हजार से अधिक आबादी रहती हैं। मकानों की हालत काफी खराब होने के कारण कई बार हुए हादसों में लोगों के घायल होने की घटनाएं भी सामने आई हैं। इस समस्या को दूर करने के लिए प्राधिकरण ने यहां बहुमंजिला इमारत बनाने की योजना तैयार की है। इसका प्रस्ताव बोर्ड बैठक में भी स्वीकृत हो चुका है। इसके बाद प्राधिकरण ने यहां के 2292 फ्लैट और 60 दुकानों का सर्वे भी कर लिया है। पिछले दिनों जीडीए को यहां बहुमंजिला इमारत का प्रोजेक्ट तैयार करने के लिए एनबीसीसी के अधिकारियों ने प्रजेंटेशन भी दिया था। अब प्राधिकरण इस हफ्ते एनबीसीसी से समझौता पत्र (एमओयू) साइन कर सकता है। इसके बाद वह इस प्रोजेक्ट पर आगे काम करेगा।

एनबीसीसी इस प्रोजेक्ट पर दो चरणों में काम करेगा। अधिकारी बताते हैं कि एमओयू साइन होने के बाद पहले चरण में एनबीसीसी इंडिया अगले आठ हफ्तों के भीतर जीडीए को एक शुरुआती रिपोर्ट सौंपेगी, जिसमें देखा जाएगा कि यह प्रोजेक्ट कैसे और कितनी आसानी से तैयार किया जा सकता है। दूसरे चरण पहली रिपोर्ट के बाद काम को आगे बढ़ाने के लिए पूरी डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जाएगी। ये प्रोजेक्ट पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर तैयार होगा।

सभी को फ्लैट देने की कवायद

जीडीए उपाध्यक्ष ने साफ कहा है कि इस योजना का मकसद कमाई करना बिल्कुल नहीं है। यह प्रोजेक्ट प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के उस विजन पर आधारित है, जिसका लक्ष्य है कि सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के सबसे गरीब तबके तर पहुंचे। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण नहीं चाहेगा कि योजना में रह रहे किसी भी परिवार को बेघर किया जाए। पुराने लोगों को ही आधुनिक सुविधाओं वाले रहने लायक नए आवास दिए जाएंगे। जीडीए के उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने कहा कि तुलसी निकेतन योजना के फ्लैट जर्जर हो चुके हैं। ऐसे में इनका री डवलपमेंट किया जाएगा। इसके तहत यहां रहने वालों का सर्वे किया गया है। उम्मीद है कि एनबीसीसी के साथ जल्द समझौता पत्र पर सहमति बन सकेगी।

पोर्टल शुरू करने जा रहे हैं

गुरुग्राम और फरीदाबाद में 5 मिनट में पास होंगे बिल्डिंगों के नक्शे

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम और फरीदाबाद के निवासियों और बिल्डरों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। दोनों नगर निगम जल्द ही एक ऐसा अत्याधुनिक पोर्टल शुरू करने जा रहे हैं, जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से भवनों के नक्शे को सिर्फ 5 मिनट के भीतर मंजूर कर देगा। इसके लिए तैयारी शुरू कर दी गई है। यह कदम नक्शा मंजूरी की लंबी और थकाऊ प्रक्रिया को समाप्त कर देगा, जिससे शहर में अवैध निर्माण पर प्रभावी रूप से रोक लग सकेगी। गुरुग्राम नगर निगम में भवनों के नक्शे पास करने के लिए अभी तक अपना कोई भी पोर्टल नहीं है। अभी तक शहरी स्थानीय निकाय विभाग की तरफ से होब पास नाम से एक पोर्टल बनाया हुआ था। उसी से भवनों के नक्शे पास होते थे। यह होब पास पोर्टल साल में 200 दिन भी मुश्किल से नहीं चल पा रहा था। इस कारण शहर के लोग अपने भवनों के नक्शे पास नहीं करवा पा रहे थे। बीते छह माह से अब पोर्टल पूरी तरह से बंद है। अब सरल पोर्टल के माध्यम से लोगों को अपने भवनों के नक्शे पास करवाने के लिए आवेदन करना पड़ रहा है। नियमों के अनुसार भवन का नक्शा पास करने की समय सीमा 30 दिन है, लेकिन लचर व्यवस्था के कारण लोगों को दो-दो माह तक नक्शे के लिए धक्के खाने पड़ रहे हैं। लंबा इंतजार और जटिल प्रक्रिया का अंत = वर्तमान में, नक्शे मंजूर करवाने में निवासियों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लंबे

इंतजार के कारण पूरे साल में मुश्किल से 300 से 400 लोग ही नगर निगम से अपने भवनों के नक्शे पास करवा पाते हैं। इस जटिल प्रक्रिया से बचने के लिए लोग निगम की बिना अनुमति से ही हजारों की संख्या में अवैध भवनों का निर्माण कर रहे हैं। जिससे निगम को हर साल करोड़ों रुपयों के राजस्व का नुकसान हो रहा है। इसी को लेकर निगम ने अब एआई के माध्यम से नया पोर्टल बनाने की तैयारी की है। निगम की इस योजना से शहर में अवैध निर्माणों पर लगाम लग सकेगी और निगम को करोड़ों रुपयों के राजस्व का फायदा भी मिलेगा। प्रदीप दहिया, निगम आयुक्त, गुरुग्राम, भवनों के नक्शे पास करवाने की प्रक्रिया को तेज करने के लिए निगम की तरफ से अपना ही पोर्टल तैयार करवाया जा रहा है। एआई के माध्यम से 30 दिन की बजाय पांच मिनट में ही भवनों के नक्शे पास हो सकेंगे। इसको लेकर टीमें काम कर रही है। फरीदाबाद नगर निगम प्रशासन ने तेलंगाना की एक एजेंसी से संपर्क किया है। यह एजेंसी जल्द ही नगर निगम मुख्यालय में अपनी प्रस्तुति देगी। एजेंसी की प्रस्तुति से अधिकारी संतुष्ट होते हैं तो यहां भी इस योजना को मंजूरी दे दी जाएगी। तेलंगाना में सबसे पहले यह योजना शुरू हुई है। इसका पता चलने पर स्थानीय अधिकारियों की इस मुद्दे पर बैठक हुई। इसके बाद तेलंगाना में इस योजना पर काम कर रही एजेंसी से संपर्क किया गया।

व्हाइट स्नो का चयन प्रतिष्ठित 49वें साओ पाउलो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में वर्ल्ड प्रीमियर के लिए हुआ

भोपाल । राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और यूनेस्को गांधी मेडल से सम्मानित फिल्म निर्देशक प्रवीण मोरछले की नई फिल्म व्हाइट स्नो का चयन प्रतिष्ठित 49वें साओ पाउलो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में वर्ल्ड प्रीमियर के लिए हुआ है। यह लैटिन अमेरिका का सबसे बड़ा और विश्व के प्रतिष्ठित फिल्म समारोह में से एक है, जो 16 से 30 अक्टूबर 2025 तक साओ पाउलो में आयोजित होगा। व्हाइट स्नो कश्मीर के पहाड़ी इलाकों में सेट एक भावनात्मक कहानी है, इसमें एक माँ अपने बेटे की प्रतिबंधित फिल्म को दिखाने के लिए अपने याक और पुराने टेलीविजन के साथ ऊँचे पहाड़ों में दुर्गम यात्रा करती है। यह कहानी कला की अभिव्यक्ति की आज़ादी और अधिकार के लिए साधारण लोगों के साहस को दिखाती है। प्रवीण मोरछले अपने संवेदनशील और मानवीय सिनेमा के लिए जाने जाते हैं। उनकी पिछली फिल्में विडो ऑफ़ साइलेंस (2019) और वाकिंग विथ द विंड (2017), प्रतिष्ठित रॉटरडैम, बुसान, कॅमेरिमेज और अन्य अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों में दिखाई और कई पुरुष्कारों से सम्मानित की जा चुकी है। फिल्म के चयन पर प्रवीण मोरछले हे कहा - व्हाइट स्नो मेरे लिए बहुत निजी फिल्म है, जो हमारे समय को दर्शाती है। अगर हम दुनिया के बड़े परिदृश्य को देखें तो आज कई देशों में कलाकारों को कला, संस्कृति या समाज पर खुलकर बोलने की आज़ादी नहीं दी जा रही है। तरह-तरह के क़ानून और सरकारी नियम हमें सीमित कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी नियंत्रण बढ़ गया है, जिससे अपने विचार रखना और मुश्किल हो गया है। यह फिल्म उन प्रतिबंधों, बहिष्कारों और राजनीतिक या धार्मिक दबावों के ख़िलाफ़ एक कलात्मक प्रतिरोध है, जो कलाकारों को चुप कराना चाहते हैं। यह मेरी व्यक्तिगत कोशिश है, वही कहने की, जो मैं कहना चाहता हूँ।

बुज़ुर्ग मरीज की इनोवेटीव कार्डियक डिवाइस डीईबी के साथ की गई सफल हृदय प्रक्रिया

भोपाल। हाल ही में, 89 वर्षीय एक मरीज को भोपाल के सिद्धांत मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती किया गया, जिसमें सीने में गंभीर दर्द, अत्यधिक पसीना आना और उल्टी की शिकायत थी। इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम (ईसीजी) से पता चला कि मरीज कार्डियोजेनिक शॉक का शिकार था, और उसका रक्तचाप गंभीर रूप से कम होकर 8060 एमएम एचजी हो गया था। स्थिति इसलिए भी जटिल थी कि मरीज को बवासीर के कारण रक्तस्राव का इतिहास था, जिससे पारंपरिक स्टेंटिंग प्रक्रिया एक उच्च जोखिम वाला विकल्प बन गई थी। अस्पताल के मुख्य हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. सुमित भटनागर ने इस मामले का परीक्षण किया और यह निर्धारित किया कि एक वैकल्पिक समाधान आवश्यक है।

बोर्ड ने कोस्मिया इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लि.के अधिग्रहण के लिए विशेष टर्म शीट को मंजूरी दी

नई दिल्ली। टूरिज्म फाइनेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड यह घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि इसके निदेशक मंडल ने 6 अक्टूबर 2025 को आयोजित अपनी बैठक में, कोस्मिया इन्वेस्टमेंट होल्डको प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक विशेष टर्म शीट में प्रवेश करने को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। यह मंजूरी कोस्मिया इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी के प्रस्तावित अधिग्रहण के लिए दी गई है, जिसमें इसकी नामित पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनियाँ, चरणबद्ध सहायक कंपनियाँ और ट्रस्ट (लक्ष्य कंपनी) शामिल हैं ।यह लेनदेन एक विशेष उद्देश्य वाहन या टीएफसीआईएल की एक संबद्ध इकाई के माध्यम से किया जाएगा, जिसे इस उद्देश्य के लिए स्थापित किया जाएगा। लक्ष्य कंपनी ने विविध वित्तीय सेवाओं के क्षेत्रों में एक मजबूत उपस्थिति स्थापित की है, जिनमें शामिल है।

गिरवी रखे गहने फिर अकेले ही चल दीं... अब सालाना 25 लाख की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र के सतारा जिले के सुलेवाड़ी गांव की रोहिणी प्रकाश पाटिल ने घर और खेत के काम से ऊपर उठकर अपनी अलग पहचान बनाई है। ग्रामीण महिलाओं की तरह खेतों में हाथ बटाने वाली रोहिणी की जिंदगी में अखबार के एक विज्ञापन ने बड़ा मोड़ ला दिया। इस विज्ञापन ने उन्हें मधुमक्खी पालन के लिए प्रेरित किया। आज वह शहद बेचकर जमकर कमा रही हैं। हालांकि, शुरुआत में कोई जानकारी न होने पर उन्हें महाबलेश्वर से पांच दिवसीय विशेष प्रशिक्षण के लिए 35 महिलाओं का एक समूह तैयार करना पड़ा। यहीं से उनकी 25 लाख रुपये के सालाना टर्नओवर तक पहुंचने की अविश्वसनीय यात्रा शुरू हुई। आइए, यहां रोहिणी प्रकाश पाटिल की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। रोहिणी ने अप्रैल 2014 में खग्राम उद्योग प्रशिक्षण संस्थान से मधुमक्खी पालन का प्रशिक्षण लिया। गांव की अन्य महिलाओं के साथ उन्होंने मधुमक्खियों की देखभाल और शहद निकालने की तकनीक सीखी। ट्रेनिंग के बाद 15 महिलाओं ने 5,000 रुपये की पूंजी लगाकर एक स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) बनाया। लेकिन, यह समूह जल्द ही टूट गया। अन्य सदस्यों की पूंजी लौटाने के बाद रोहिणी ने अकेले आगे बढ़ने का फैसला किया। उनके पास निवेश के लिए पैसे नहीं थे। इसलिए उन्होंने एक साहसिक कदम उठाया।

शुरुआत में आईं मुश्किलें

शुरुआत में रोहिणी को मुश्किलों का सामना करना पड़ा। खरीदे गए छत्तों की मधुमक्खियां उड़ गईं। पहले बैच में 35 बक्सों से सिर्फ 80 किलो शहद मिला, जो 600 रुपये प्रति किलो के भाव से बिका। लेकिन, रोहिणी ने हार नहीं मानी। उन्होंने ट्रेनिंग के दौरान सीखी गई विधि से बाहर से मधुमक्खियों को बक्सों में बसाया। एनजीओ धर्म लाइफ के सहयोग से उन्होंने पैकेजिंग और ब्रांडिंग सीखी। अपने उत्पाद को फॉरेस्ट हनी के नाम से लॉन्च किया। उनका शहद खास है। कारण है कि वह बक्सों को पश्चिमी घाट के जैव-विविधता वाले कोयना बांध के जंगलों में रखती हैं, जहां जामुन, हिरदा जैसे औषधीय पौधे पाए जाते हैं। इससे शहद में ऑर्गेनिक और औषधीय गुण आ जाते हैं। रोहिणी पाटिल की मेहनत रंग लाई और उनका कारोबार तेजी से बढ़ा। आज उनके पास 112 मधुमक्खी बक्से हैं। इनसे उन्हें सालाना लगभग 880 से 900 किलो शहद मिलता है। वह इस ऑर्गेनिक शहद को 1,200 रुपये प्रति किलो के ऊंचे भाव पर सीधे ग्राहकों को बेचती हैं। उनके पास मांग इतनी ज?यादा है कि उन्हें किसी थोक व्यापारी या खुदरा विक्रेता के पास जाने की जरूरत नहीं पड़ती।

हाई-वोल्टेज कंडक्टिविटी उत्पाद निर्माता ओसवाल केबल्स ने

सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया

मुंबई, एजेंसी। जयपुर मुख्यालय वाली ओसवाल केबल्स लिमिटेड ने बाजार नियामक सेबी के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल कर दिया है। कंपनी आईपीओ के माध्यम से 500 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है, जिसमें 300 करोड़ रुपये तक का फ्रेश इश्यू और 5 रुपये अंकित मूल्य के 2,22,00,000 तक इक्विटी शेयरों का ऑफर फॉर सेल शामिल है। ओसवाल केबल्स लिमिटेड, एक इंटीग्रेटेड हाई-वोल्टेज कं डक्टिविटी उत्पादों की निर्माता है, जिसकी वोल्टेज रेंज 765 केवी तक है। इसका उपयोग ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन, नवीकरणीय ऊर्जा इंटीग्रेशन, रेलवे और औद्योगिक अनुप्रयोगों सहित महत्वपूर्ण ऊर्जा बुनियादी ढांचे में किया जाता है। कंपनी ने हाल के वर्षों में मजबूत वित्तीय वृद्धि दर्ज की है, और टर्नओवर के मामले में खुद को भारत की शीर्ष दस केबल और कंडक्टर कंपनियों में स्थापित किया है। (स्रोत- एफ एंड एस रिपोर्ट)। कंपनी ऑफर से प्राप्त शुद्ध आय का इस्तेमाल एक नई परियोजना स्थापित करने के लिए पूंजीगत व्यय आवश्यकताओं को पूरा करने और कंपनी द्वारा लिए गए कुछ कर्जों का आंशिक या पूर्ण पुनर्भुगतान/पूर्व-भुगतान करने के लिए करेगी। इसके अलावा अन्य सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य के लिए भी इस राशि का इस्तेमाल किया जाएगा। ओसवाल केबल के व्यापक उत्पाद पोर्टफोलियो में स्टैंडर्ड कंडक्टर, एडवांस्ड कंडक्टर, एरियल बंच्ड केबल्स, लो-वोल्टेज एनर्जी केबल्स, रेलवे सिग्नलिंग केबल्स, सर्विस ड्रॉप केबल्स और कॉन्सेंट्रिक केबल्स शामिल हैं। विभिन्न स्पेसिफिकेशन्स और व्यापक वोल्टेज अनुप्रयोगों के अनुरूप ऐसे विविध उत्पाद पोर्टफोलियो के साथ, कंपनी ऊर्जा ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन उद्योग के लिए एक व्यापक समाधान प्रदाता बन गई है। तीन पीढ़ियों के पारिवारिक अनुभव और पांच दशकों से अधिक की बाजार उपस्थिति के साथ, कंपनी और उसके उत्पादों को ऊर्जा डिस्ट्रीब्यूशन उद्योग में कार्यरत 50 से अधिक ग्राहकों द्वारा अनुमोदित और सूचीबद्ध किया गया है, और इसने भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न गुणवत्ता और प्रक्रिया प्रमाणपत्र प्राप्त किए हैं। 63.08 प्रतिशत की सबसे तेज सीएजीआर से बढ़ा है।

बीवीजी इंडिया ने 300 करोड़ के नए इश्यू और 2.85 करोड़ शेयरों के

ओएफएस के लिए दाखिल किया डीआरएचपी

मुंबई, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी एकीकृत सुविधा प्रबंधन (आईएफएम) सेवा प्रदाता पुणे स्थित बीवीजी इंडिया लिमिटेड ने अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) शुरू करने के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। इस निर्गम में 300 करोड़ रुपये तक के नए इक्विटी शेयरों का निर्गम और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 2.85 करोड़ इक्विटी शेयरों का बिक्री प्रस्ताव (ओएफएस) शामिल है। नए निर्गम से प्राप्त राशि में से 250 करोड़ रुपये उधारों के पुनर्भुगतान या पूर्व-भुगतान के लिए निर्धारित किए गए हैं, जबकि शेष राशि सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए उपयोग की जाएगी।

कंपनी तीन व्यावसायिक क्षेत्रों—एकीकृत सुविधा प्रबंधन (आईएफएम), आपातकालीन प्रतिक्रिया सेवाएँ (ईआरएस), और पर्यावरण एवं स्थायित्व सेवाएँ (ईएसएस)—के माध्यम से परिचालन करती है और औद्योगिक, वाणिज्यिक, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, सरकारी और परिवहन अवसंरचना क्षेत्रों के ग्राहकों को सेवाएँ प्रदान करती है। आईएफएम के अंतर्गत, बीवीजी इंडिया मशीनीकृत हाउसकीपिंग, चौकीदारी सेवाएँ, औद्योगिक हाउसकीपिंग, जनशक्ति आपूर्ति, सुरक्षा, कार्यालय सहायता और खुदरा ईंधन आउटलेट रखरखाव जैसी सॉफ्ट सेवाएँ; इलेक्ट्रो-मैकेनिकल कार्य, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और प्लंबिंग (एमईपी) सेवाएँ, मरम्मत और रखरखाव, सड़क प्रबंधन, शहर की सफाई और अवसंरचना रखरखाव जैसी हार्ड सेवाएँ; और खानपान, पेंट-शॉप की सफाई, बैक-ऑफिस सहायता, लॉजिस्टिक्स प्रबंधन और ईवी बस प्रबंधन सहित बेड़े संचालन जैसी विशेष सेवाएँ प्रदान करती है। कंपनी भारतीय रेलवे की एक विश्वसनीय भागीदार भी है, जो स्टेशन सुविधा संचालन, रोलिंग स्टॉक और ट्रैक रखरखाव, और ऑन-बोर्ड हाउसकीपिंग का प्रबंधन करती है। आपातकालीन प्रतिक्रिया में अग्रणी भूमिका निभाई और उन्नत चिकित्सा उपकरणों से सुसज्जित और डॉक्टरों से सुसज्जित एम्बुलेंस पेश कीं। उल्लेखनीय रूप से, बीवीजी इंडिया ने एम्बुलेंस में डॉक्टरों की तैनाती की प्रथा शुरू की, जिससे आपातकालीन चिकित्सा देखभाल के लिए नए मानक स्थापित हुए और सार्वजनिक सेवा वितरण में इसकी अग्रणी भूमिका को बल मिला। ईएसएस के तहत, यह अपशिष्ट प्रबंधन, बागवानी, भूनिर्माण, वनीकरण, झील पुनरुद्धार और स्मार्ट सिटी परियोजनाओं को क्रियान्वित करता है, साथ ही देश भर में सौर परियोजनाओं के लिए सौर मॉड्यूल का उत्पादन और स्थापना एवं रखरखाव भी करता है।

सर्वेश्वर फूड्स को सिंगापुर की मोनार्डा कमोडिटीज़ से 329 मिलियन का बड़ा निर्यात ऑर्डर

विश्वसनीय एफएमसीजी व खाद्य कंपनी, वैश्विक विस्तार और सतत विकास की राह पर

जम्मू । सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड (एसएफएल 7 सूची: 543688 7 आईएनई324एक्स 01026), जो भारत की अग्रणी कृषि और ऑर्गेनिक एफएमसीजी कंपनियों में से एक है, ने आज घोषणा की कि उसे सिंगापुर स्थित मोनार्दा कमोडिटीज प्राइवेट लिमिटेड से ?329 मिलियन का एक महत्वपूर्ण निर्यात ऑर्डर प्राप्त हुआ है। यह ऑर्डर कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी ग्रीन पॉइंट प्राइवेट लिमिटेड, सिंगापुर के माध्यम से हासिल किया गया है। यह उपलब्धि कंपनी के अंतरराष्ट्रीय विस्तार को और सशक्त बनाती है और बड़े पैमाने पर मूल्य प्रदान करने की उसकी क्षमता को दर्शाती है। ऑर्डर सर्वेश्वर फूड्स की विदेशी बाजारों में बढ़ती ताकत को दर्शाता है और इसे वैश्विक खरीदारों के लिए एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में स्थापित करता है। 130 से अधिक वर्षों की विरासत और गुणवत्ता व स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता के साथ, कंपनी अपनी अंतरराष्ट्रीय पहुँच को लगातार गहरा कर रही है। विश्वसनीय गुणवत्ता मानक वैश्विक बाजारों में सर्वेश्वर फूड्स की साख को कई अंतरराष्ट्रीय प्रमाणपत्रों का समर्थन प्राप्त है, जैसे कि आईएसओ 22000-2018, यूएसएफडीए, बीआरसी, कोषेर, एनपीपीओ यूएसए और चीन, और एनओपी-यूएसडीए ऑर्गेनिक। इसके ब्रांडेड और ऑर्गेनिक उत्पाद श्रेणियों में विविध पोर्टफोलियो को विश्वभर के उपभोक्ताओं द्वारा सराहा जाता है, जो प्रामाणिकता और जिम्मेदार स्रोतों से उत्पादों की आपूर्ति को महत्व देते हैं। निरंतर विकास की गति यह नवीनतम उपलब्धि हाल ही में प्राप्त ?329 मिलियन के अंतरराष्ट्रीय अनुबंधों और ?1499.5 मिलियन के अधिक सब्सक्राइब्ड राइट्स इश्यू की सफलता के बाद आई है। कंपनी निरंतर विकास के मार्ग पर अग्रसर है, उसकी वित्तीय स्थिति मजबूत हुई है, और उसका लक्ष्य खाद्य और एफएमसीजी क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित नाम बनना है। इस विकास पर टिप्पणी करते हुए, सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार निदेशक श्रीमती सीमा रानी ने कहा- हमें यह घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि सिंगापुर स्थित मोनार्दा कमोडिटीज प्राइवेट लिमिटेड से हमें यह निर्यात ऑर्डर प्राप्त हुआ है, जो हमारे अंतरराष्ट्रीय व्यापार को और मजबूती प्रदान करता है। वैश्विक भागीदारों का लगातार विश्वास हमारे द्वारा दी गई गुणवत्ता, विश्वसनीयता और दीर्घकालिक प्रतिबद्धता पर आधारित है। जैसे-जैसे प्रामाणिक भारतीय खाद्य उत्पादों की मांग विश्वभर में बढ़ रही है, हम इसे अपनी पहुँच का विस्तार करने और प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपनी उपस्थिति को और गहरा करने के एक महत्वपूर्ण अवसर के रूप में देखते हैं।

साम्प्रो न्यूट्रिशन्स लिमिटेड के बोर्ड ने 355 करोड़ रुपये के फोरेन करन्सी कन्वर्टिबल बॉन्ड को मंजूरी दी

कंपनी 1 लाख अमेरिकी डॉलर प्रति बॉन्ड के 400 एफसीसीबी जारी करेगी

तेलंगाना, एजेंसी। लिडिंग कन्फेक्शनरी मेन्युफेक्चरर, साम्प्रे न्यूट्रिशन्स लिमिटेड के बोर्ड ऑफ डिरेक्टर्स ने 3 अक्टूबर 2025 को 4 करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य के फोरेन करन्सी कन्वर्टिबल बोन्ड जारी करने पर विचार किया और उसे मंजूरी दे दी है - जो 355.06 करोड़ रुपये के बराबर है। कंपनी एफसीसीबी की सब्सक्रिप्शन अमाउन्ट के अनुसार 1 लाख अमेरिकी डॉलर प्रति बॉन्ड के 400 एफसीसीबी जारी करेगी। एफसीसीबी फंड का उपयोग ईजिप्त और लाइबेरिया (मोनरोविया) जैसे उभरते बाजारों में कंपनी की ग्लोबल फूटप्रिन्ट को व्यापक बनाने के उद्देश्य से किया जाएगा। यह टार्गेट एक्सपान्शन हाई-ग्रोथ हो वेसै क्षेत्रों में कंपनी की उपस्थिति को मज़बूत करने, रेवन्यु स्ट्रीम में विविधता लाने और अंतर्राष्ट्रीय स्वस्थ्य क्षेत्रों में उभरते अवसरों का लाभ उठाने के लिए अच्छी तरह से डिज़ाइन किया गया है। कंपनी ने प्रमुख प्रबन्धक एरीज़ कैपिटल लिमिटेड , जो एक ईन्वेस्टमेन्ट मेनेजमेन्ट कंपनी है, उसके साथ एक समझौता किया है, जिसे इस इश्यू को सूचीबद्ध करने और अंडरराइटिंग करने के उद्देश्य से नियुक्त किया गया है। यह निर्गम कंपनी अधिनियम, 2013 और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (पूंजी निर्गम एवं प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2018 के अनुसार है। एफसीसीबी 10 अक्टूबर 2025 से 15 अक्टूबर 2025 तक स्टॉक एक्सचेंज, अफ्निक्स एक्सचेंज मॉरीशस पर उपलब्ध रहेंगे। 19 सितंबर को हुई बोर्ड मिटिंग में बोनस ईश्यू और स्टॉक स्प्लिट को मंजूरी दी गई। कंपनी बोर्ड ने 10 रुपये अंकित मूल्य वाले एक इक्विटी शेयर को 5 रुपये अंकित मूल्य वाले दो इक्विटी शेयरों में विभाजित/उप-विभाजित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। बोर्ड ने 1:1 के रेशियो में बोनस को मंजूरी दी - 5 रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक फुली पेइडअप इक्विटी शेयर के लिए 5 रुपये अंकित मूल्य वाला एक बोनस इक्विटी शेयर। कंपनी बोर्ड ने इसे भी मंजूरी दे दी। बोनस ईश्यू के लिए कंपनी को 21.55 करोड़ रुपये की शेष राशि की आवश्यकता होगी। 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों के अनुसार, बोनस इक्विटी शेयर सिक्योरिटिस प्रीमियम एकाउन्ट्स से जारी किए जाएँगे। 31 मार्च 2025 तक, कंपनी के सिक्योरिटीस प्रीमियम एकाउन्ट्स में 59.86 करोड़ रुपये की फ्री रिज़र्व निधि शेष है। बोनस शेयर 19 दिसंबर 2025 को या उससे पहले जमा किए जाएँगे।

सोनालीका ने कुल 20,786 ट्रैक्टरों की अब तक सर्वाधिक मासिक बिक्री, सभी रिकॉर्ड तोड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत से ट्रैक्टर एक्सपोर्ट में नंबर 1 ब्रांड, सोनालीका ट्रैक्टर्स ने अपने हैवी ड्यूटी ट्रैक्टरों के साथ देश भर के किसानों का एक बार फिर त्योहारों में उत्साह बढ़ाया है और कंपनी ने सितंबर 2025 में 20,786 ट्रैक्टरों की अब तक की सर्वाधिक मासिक बिक्री दर्ज की है। यह उल्लेखनीय प्रदर्शन मज़बूत घरेलू माँग और सोनालीका की प्रतिबद्धता से प्रेरित है जो भारतीय किसानों के लिए उत्पादकता बढ़ाने हेतु अनुकूलित ट्रैक्टर निर्माण करता है7 त्योहारों की शुरुआत के साथ, सोनालीका ने अगस्त 2025 से ही अपने सबसे बड़े वार्षिक ऑफर %हैवी ड्यूटी धमाका% पेश कर दिया है, जिससे किसानों को सर्वोत्तम तकनीक और उत्तम मूल्य पर ट्रैक्टर उपलब्ध कराने में मदद मिली है7 केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में ट्रैक्टरों पर जीएसटी में 12 प्रतिशत से कटौती करके 5 प्रतिशत कर दिया है जिसने किसानों के आत्मविश्वास को और मज़बूत किया है और देशभर में हैवी ड्यूटी ट्रैक्टरों को और भी किफ़ायती और सुलभ बनाया है। दुनिया के नंबर 1 एकीकृत ट्रैक्टर प्लांट द्वारा समर्थित, सोनालीका पूरे देश में बेहतर गुणवत्ता वाले ट्रैक्टरों और समय पर डिलीवरी की गारंटी देता है। ट्रैक्टर श्रृंखला द्वारा किसानों को सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए, सोनालीका पूरे देश में विकास, समृद्धि और त्योहारी खुशियों को नई ऊँचाइयों पर ले जा रहा है। अपने विचार साझा करते हुए, रमन मित्तल, जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड, ने कहा, सितंबर 2025 में कुल 20,786 ट्रैक्टरों की अब तक की सर्वाधिक बिक्री द्वारा बहुत खुश हैं।

महिंद्रा ने नए डिज़ाइन, इंटीरियर और आधुनिक सुविधाओं के साथ पेश की नई बोलेरो रेंज

मुंबई, एजेंसी। भारत की अग्रणी एसयूवी विनिर्माता, महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड ने आज बोलेरो की नई रेंज पेश की। नई बोलेरो की कीमत 7.99 लाख (शोरूम में) से शुरू होती है, और नए पेश किए गए टॉप-एंड (मंहगे) बी8 वेरिएंट की कीमत 9.69 लाख (शोरूम में) है। नई बोलेरो नियो की शुरुआती कीमत 8.49 लाख (एक्स-शोरूम) है, जबकि नए टॉप-एंड (मंहगे) वेरिएंट एन11 की कीमत 9.99 लाख (एक्स-शोरूम) है। इस लॉन्च के साथ, बोलेरो रेंज खूबसूरती, अधिक आराम और आधुनिक सुविधाओं के साथ अपना विशिष्ट आकर्षण

बरकरार रखे हुए है। बोलेरो अपनी 25 साल की विरासत और 16 लाख से ज़्यादा संतुष्ट ग्राहकों के साथ, बहुउपयोगी एसयूवी बनी हुई है। यह शहर की व्यस्त सड़कों से लेकर ऊबड़-खाबड़ सड़कों वाले ग्रामीण इलाकों तक, विविध इलाकों में बेहतरीन प्रदर्शन करती है और असाधारण अनुकूलनशीलता तथा मूल्य प्रदान करती है। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के ऑटोमोटिव डिवीजन के मुख्य कार्यकारी, नलिनीकांत गोलागुंटा ने कहा, बोलेरो समय की कसौटी पर खरी उतरी है और 25 साल से भी अधिक समय से भारत की सबसे बहुमुखी तथामज़बूत एसयूवी में से एक के रूप में अपनी जगह बनाए हुए है। इस स्थायी विरासत को आगे बढ़ाते हुए, नई बोलेरो रेंज को गतिशील और तेज़ी से विकसित हो रहे नए भारत की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। आराम और आधुनिक सुविधाओं के शानदार मेल के साथ, नई बोलेरो और बोलेरो नियो शक्तिशाली एसयूवी का अनुभव प्रदान करती हैं जो शहरी परिवेश और चुनौतीपूर्ण इलाकों में समान रूप से कारगर है। नई बोलेरो अपनी असली मज़बूती के साथ बोल्ड डिज़ाइन, आधुनिक फीचर और बेहतर आराम का मिश्रण पेश करती है।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटरने ड्रमताओ को बनाया ब्रांडएंबेसडर

बेंगलुरु, एजेंसी टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने जापान के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मशहूर परफॉर्मेंस ग्रुप ड्रम ताओ को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाने की घोषणा की है। अपनी दमदार प्रस्तुतियों, बारीक कोरियोग्राफी और मंचन की अभिनवशैली के लिए मशहूर ड्रम ताओ अब इस साझेदारी के ज़रिए भारत में अपनी अनोखी संगीत यात्रा पेश करेगा। जापानी धरोहर से प्रेरणा लेते हुए और भारत के प्रति गहरी प्रतिबद्धता रखते हुए, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर का यह नया सहयोग न सिर्फ़ कला का उत्सव है बल्कि सामंजस्य, नवाचार और समावेश जैसे साझा मूल्यों को भी सामने लाता है।

पुणे ई-स्टॉक ब्रोकिंग लिमिटेड को मर्चेंट बैंकर के रूप में कार्य करने के लिए सेबी की मंजूरी प्राप्त

पुणे, एजेंसी। पुणे ई-स्टॉक ब्रोकिंग लिमिटेड एक अग्रणी कॉरपोरेट ब्रोकिंग हाउस, ने घोषणा की है कि कंपनी को मर्चेंट बैंकर के रूप में कार्य करने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड की मंजूरी प्राप्त हुई है। अब कंपनी एक सेबी पंजीकृत मर्चेंट बैंकर है, जिसका पंजीकरण क्रमांक आइएनएम000013323 है। हाल ही में कंपनी ने घोषणा की कि उसके बोर्ड ने 20,00,000 कन्वर्टिबल वारंट्स का आवंटन विभिन्न प्रवर्तक और गैर-प्रवर्तक समूह संस्थाओं को वरीयता के आधार पर स्वीकृत किया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 (संयुक्त) के लिए कंपनी ने कुल राजस्व 7664.38 लाख दर्ज किया। कंपनी का कर पूर्व लाभ 49.17 प्रतिशत बढ़कर 1671.10 लाख से 2492.92 लाख (हो गया। वहीं, कर पश्चात लाभ 51.58 प्रतिशत बढ़कर 1265.60 लाख से 1918.50 लाख पर पहुँच गया। 2007 में स्थापित, पुणे ई-स्टॉक ब्रोकिंग लिमिटेड एक कॉरपोरेट ब्रोकिंग हाउस है जो अपने ग्राहकों को उनके निवेश लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता करने के लिए समर्पित है। अत्याधुनिक तकनीक, गहन बाजार अनुसंधान और नवीन विश्लेषणात्मक प्रणालियों का उपयोग करते हुए, कंपनी अपने ग्राहकों की विविध आवश्यकताओं और आकांक्षाओं के अनुरूप समाधान प्रदान करने का लक्ष्य रखती है। ग्राहकों की व्यक्तिगत आवश्यकताओं और उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए उनके साथ घनिष्ठ सहयोग करती है। इस व्यक्तिगत दृष्टिकोण को व्यापक बाजार विश्लेषण के साथ संयोजित कर, पुणे ई-स्टॉक ब्रोकिंग लिमिटेड निवेश पोर्टफोलियो के निर्माण के लिए उपयोगी सुझाव और सशक्त सिफारिशें प्रदान करती है।

वरुण धवन के साथ फिर बनेगी आलिया की जोड़ी ?

बॉलीवुड में नई पीढ़ी की सबसे पसंदीदा ऑन-स्क्रीन जोड़ियों में से एक आलिया भट्ट और वरुण धवन की जोड़ी फिर से पर्दे पर वापसी करेगी या नहीं, इस सवाल का जवाब हर फैन पिछले कई वर्षों से तलाश रहा है। हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया और बद्रीनाथ की दुल्हनिया जैसी हिट फिल्मों के बाद दर्शक लंबे समय से इस सीरीज के तीसरे पार्ट 'दुल्हनिया 3' का इंतजार कर रहे हैं। अब इस पर निर्देशक शशांक खैतान ने बड़ा अपडेट दिया है।

हाल ही में बॉलीवुड बबल को दिए एक इंटरव्यू में शशांक खैतान ने कहा, हम सब चाहते हैं कि 'दुल्हनिया 3' बने। चाहे मैं हूं, आलिया हो या वरुण- सभी इस फ्रेंचाइज से जुड़े हैं। लेकिन अभी तक हमें वो सही कहानी नहीं मिली है, जो हमें और दर्शकों को संतुष्ट कर सके। उन्होंने साफ किया कि टीम लगातार आइडिया पर बातचीत कर रही है लेकिन अब तक कोई ठोस प्लान तैयार नहीं हुआ है। शशांक ने यह भी कहा कि दुल्हनिया सीरीज को मिली जबरदस्त मोहब्बत को देखते हुए वे जल्दबाजी में फिल्म बनाकर दर्शकों को निराश नहीं करना चाहते। निर्देशक के मुताबिक, किसी भी सफल फ्रेंचाइज का अगला पार्ट तभी बनाया जाना चाहिए जब उसके पास बताने के लिए एक मज़बूत और मजेदार कहानी हो। उनका कहना है कि दुल्हनिया 3 तभी आएगी जब टीम को लगेगा कि यह कहानी पिछले दोनों पार्ट्स से भी ज्यादा असरदार और मनोरंजक है।

आखिर क्यों हटाई गईं नेटफ्लिक्स से बाहुबली फ्रेंचाइजी?

भारतीय सिनेमा के इतिहास में एस. एस. राजामौली की बाहुबली फ्रेंचाइजी बहुत बड़ी फिल्म है. इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी रिकॉर्ड तो? साथ ही भारतीय सिनेमा को दुनिया के सामने खड़ा कर दिया. आपकी बता दें कि बाहुबली के दो पार्ट्स बाहुबली: द बिगिनिंग और बाहुबली 2: द कन्क्लूजन अभी तक रिलीज हुए हैं. इन फिल्मों की जबरदस्त कहानी ने दर्शकों का दिल जीत लिया था. बाहुबली के दो पार्ट्स के बाद अब एक नई फिल्म बाहुबली= द एपिक का इंतजाार कर रहे हैं, लेकिन इसी बीच एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है. जिसने फैंस को एकदम हैरान कर दिया है.

बाहुबली फ्रेंचाइजी के दोनों मुख्य पार्ट्स हैं. बाहुबली= द बिगिनिंग और बाहुबली 2= द कन्क्लूजन. इन दोनों पार्ट्स के बाद अब एक और फिल्म बाहुबली= द एपिक आ रही है. इसी बीच खबर आ रही है कि इस फिल्म के पहले दो पार्ट्स को अचानक नेटफ्लिक्स से हटा दिया गया है. इस खबर से फैंस और दर्शक थोड़े हैरान हैं. वहीं लोग ये भी जानना चाहते हैं कि आखिर मेकर्स ने ये फैसला क्यों लिया है. Netfli& से फिल्मों के हटने के बाद अब ये चर्चे बहुत तेज हो गए हैं. आखिर क्यों ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स से इन दो पार्ट्स को हटा दिया गया.

क्या है वजह?

आपको बता दें कि मेकर्स ने ये फैसला जानबूझकर किया है. ताकि दर्शक सिनेमाघरों में इस नए एडिशन को देखने के लिए आएं. बाहुबली: द एपिक असल में बाहुबली फ्रेंचाइजी में द बिगिनिंग और द कन्क्लूजन दोनों फिल्मों को आपस में जोड़ दिया गया है. जहां हमने पहले दो फिल्मों को अलग अलग देखा था वहीं इस फिल्म में दोनों फिल्मों को एक साथ दिखाया गया है. इसे री-एडिट और रीमास्टर किया गया है, जिसमें नई तकनीकी और कुछ व्यू और कुछ कहानी में भी बदलाव किया गया है. बाहुबली: द एपिक 31 अक्टूबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा ने की सगाई!

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना के अफेयर की खबरें अक्सर मीडिया की सुर्खियों में रहती हैं। कथित तौर पर एक निजी समारोह में इन दोनों ने सगाई कर ली है। अगले साल फरवरी में इनके घर शहनाई बज सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि दोनों की सगाई एक प्राइवेट सेरेमनी में परिवार के सदस्यों और करीबी दोस्तों के बीच हुई है। कहा यह भी जा रहा है कि दोनों ने अपनी शादी का एलान करने से पहले कुछ दिनों इंतजार करने का फैसला लिया है। इसलिए सगाई को लेकर भी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

रश्मिका के हालिया पोस्ट ने दी अफवाहों को हवा

रश्मिका मंदाना और विजय की सगाई की रूमर्स दरअसल, रश्मिका के हालिया सोशल मीडिया पोस्ट से शुरू हुईं। रश्मिका ने कुछ फोटोज शेयर किए हैं, जिनमें वे साड़ी में नजर आ रही हैं। यह दशहरा के अवसर की तस्वीरें हैं। रश्मिका ने इन्हें साझा कर फैंस को दशहरा की शुभकामनाएं दी हैं और थामा के ट्रेलर को अच्छा रेस्पॉन्स मिलने पर शुक्रिया कहा है। मगर, नेटिजन्स ऐसे कयास लगा रहे हैं कि रश्मिका की यह फोटोज विजय के घर की हैं और दोनों की सगाई हो गई है। हालांकि, सगाई की कोई तस्वीर सामने नहीं आई है। न ही कोई आधिकारिक पुष्टि हुई है।

पेरिस में छाया अनन्या का ग्लैमर

फैशन की दुनिया में बनाई जगह

अभिनेत्री अनन्या पांडे ने हाल ही में फैशन की दुनिया में एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। वह प्रतिष्ठित बिजनेस ऑफ फैशन (बीओएफ) 2025 की ग्लोबल लिस्ट में शामिल होने वाली इकलौती भारतीय अभिनेत्री बनी हैं। इस खास मौके से जुड़ी कुछ तस्वीरें उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट कीं। अनन्या ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए इंस्टाग्राम पर शानदार तस्वीरें पोस्ट कीं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, बिजनेस ऑफ फैशन की सूची में शामिल होना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है। पेरिस जैसी खूबसूरत शाम और इस शहर में बिताए पल, जो अब मेरा पसंदीदा बन रहा है, मेरे लिए खास हैं। मैं इस वैश्विक समुदाय का हिस्सा बनकर गर्व महसूस कर रही हूं और धीरे-धीरे अपनी पहचान बना रही हूं। इमरान अहमद और उनकी पूरी टीम को उनके शानदार काम के लिए धन्यवाद। बिजनेस ऑफ फैशन की यह वार्षिक सूची उन ग्लोबल हस्तियों को सम्मानित करती है, जो फैशन इंडस्ट्री में नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। इस साल अनन्या के साथ-साथ हॉलीवुड की मशहूर हस्तियां जैसे हैली बीबर और जो क्राविट्ज भी इस सूची में शामिल हैं। अनन्या से पहले प्रियंका चोपड़ा जोनस, दीपिका पादुकोण, आलिया भट्ट और सोनम कपूर जैसी भारतीय हस्तियां भी इस लिस्ट में अपनी जगह बना चुकी हैं। अनन्या का इस सूची में शामिल होना उनके बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। उन्होंने कई वैश्विक लग्जरी ब्रांड्स के साथ शानदार कैंपेन किए हैं। उनकी यह उपलब्धि न केवल उनके लिए, बल्कि भारतीय फैशन इंडस्ट्री के लिए भी गर्व का विषय है। अनन्या की मेहनत और स्टाइल ने उन्हें वैश्विक मंच पर एक मजबूत पहचान दिलाई है। फैशन की दुनिया में उनकी यह यात्रा युवाओं के लिए प्रेरणा बन रही है। अनन्या की अपकमिंग फिल्म की बात करें तो वह समीर विदवान निर्देशित रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी में नजर आएंगी। यह फिल्म 13 फरवरी 2026 को रिलीज होगी।

सामंथा रुथ प्रभु ने शेयर किया

यश की अगली फिल्म होगी साइंस-फिक्शन थ्रिलर

स्टार यश इन दिनों अपकमिंग मूवी टॉक्सिक की शूटिंग में बिजी हैं। पर अभी से ही उनके अगले प्रोजेक्ट की चर्चा शुरू हो गई है। बताया जा रहा है कि वो पीएस मिथ्रन संग साइंस-फिक्शन थ्रिलर मूवी पर बात कर रहे हैं। सबकुछ सही रहा तो 2026 में शूटिंग शुरू होगी। स्टार यश इस समय टॉक्सिक की शूटिंग में बिजी हैं। वो कथित तौर पर तमिल मूवी प्रोड्यूसर पीएस मिथ्रन के साथ अपकमिंग प्रोजेक्ट पर बातचीत कर रहे हैं। लेटेस्ट रिपोर्ट्स बता रही हैं कि पीएस मिथ्रन ने एक्सपेरिमेंटल साइंस-फिक्शन थ्रिलर डेवलप किया है और यश इसे लीड करेंगे। खैर। अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हुई है। 123 तेलुगु के अनुसार, साउथ स्टार यश पहले तमिल फिल्ममेकर पीएस मिथ्रन के साथ अपने अगले प्रोजेक्ट के लिए बातचीत कर रहे थे। मिथ्रन ने यश के लिए एक एक्सपेरिमेंटल साइंस-फिक्शन थ्रिलर लिखी है। और अगर सब कुछ योजना के अनुसार हुआ, तो यश 2026 में इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर देंगे। इस प्रोजेक्ट के बाद वो प्रशांत नील के साथ केजीएफ चैप्टर 3 के लिए काम करेंगे। यश ने ऋषभ शेट्टी की कांतारा चैप्टर 1 की तारीफ में ङ्क पर लिखा, कांतारा चैप्टर 1 कन्नड़ और भारतीय सिनेमा के लिए नया बेंचमार्क। ऋषभ शेट्टी आपका दृढ़ विश्वास, दृढ़ता और निस्वार्थ समर्पण हर फ्रेम में साफ दिख रहा है। राइटर, डायरेक्टर और एक्टर के रूप में आपका विजन स्क्रीन पर वास्तव में एक शानदार अनुभव में बदल जाता है।

यश की टॉक्सिक फिल्म

यश ने सितंबर में अपनी फिल्म टॉक्सिक= अ फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स के लिए मुंबई में 45 दिनों की शूटिंग की। अब लंदन में शूटिंग होगी। गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी रही इस फिल्म का ऐलान 2023 में हुआ था और मई 2026 में रिलीज होने की उम्मीद थी। पर इसे देरी का सामना करना पड़ा।

वो शक्तिशाली वाक्य जिसने उनकी जिंदगी को दी नई दिशा

दक्षिण भारतीय फिल्मों की अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु हाल ही में सोशल मीडिया पर फैंस के लिए लाइव आईं। इस दौरान उन्होंने फैंस से उनकी लाइफ से जुड़े सवाल पूछने को कहा। इसी बीच एक यूजर ने अभिनेत्री से पूछा कि ऐसा कौन सा वाक्य है, जिसने आपका नजरिया बदल दिया? अभिनेत्री ने जवाब देते हुए उस शक्तिशाली वाक्य का खुलासा किया, जिसने उनकी जिंदगी को नई दिशा दी। सामंथा रुथ प्रभु ने कहा, आपको अपना उद्देश्य उन चीजों में मिलेगा, जो आपको परेशान करती हैं। उन्होंने बताया कि उनका काम भी उन्हीं चीजों से जुड़ा है, जो उन्हें परेशान करती हैं और इस सोच ने उनके जीवन को आसान बना दिया है। आप भी इसे आजमा सकते हैं, शायद यह आपकी मदद करे। एक अन्य यूजर ने उनसे पूछा कि एक छात्र होने के चलते वह अपनी हेल्थ का ध्यान नहीं रख पाते हैं, इसके लिए वो कुछ सुझाव दे सकती हैं? इस पर अभिनेत्री ने कहा, सच कहूं तो, एक छात्र का जीवन जिए मुझे लंबा अरसा हो गया है, लेकिन मैं अक्सर सुनती रही हूं कि आजकल छात्रों के लिए यह कितना मुश्किल है, वे अधिक तनाव में रहते हैं। उन्होंने आगे कहा, लेकिन मैं आपसे सहानुभूति रखती हूं, और मैं चाहती हूं कि आप यह समझें कि अच्छे ग्रेड ही सबकुछ नहीं होते। मुझे लगता है कि एक छात्र होने से मैंने जो सबसे अधिक सीखा और एक छात्र होने का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा वे मित्र थे, जो मैंने उस दौरान बनाए। अपने आसपास के लोगों के लिए सम्मान का भाव और अपने दोस्तों से जो दयालुता मैंने सीखी, इसने मुझे एक बेहतर इंसान बनने में मदद की। सामंथा रुथ प्रभु को पिछली बार तेलुगु हॉरर-कॉमेडी 'शुभम' में देखा गया था। इसमें वह एक छोटी सी भूमिका में नजर आई थीं। वह बहुत जल्द राज निदिमोरु और कृष्णा डीके की फिल्म 'रक्त ब्रह्मांड= द ब्लडी किंगडम' में दिखाई देंगी। इसमें आदित्य रॉय कपूर, अली फजल, जयदीप अहलावत और वामिका गब्बी जैसे कलाकार हैं।

साभार एजेंसी

पत्नी और गर्लफ्रेंड को लेकर सैफ का बयान

करीना के साथ कई फिल्में करने के बाद सैफ अली खान ने अब पत्नी के साथ काम करने पर दी ये सलाह। करियर में इस बात का है उन्हें दुख।

अभिनेता सैफ अली खान इन दिनों अक्षय कुमार के साथ अपनी आगामी फिल्म 'हैवान' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस बीच सैफ ने पत्नी और गर्लफ्रैंड के साथ काम करने पर अपने विचार रखे। सैफ ने पत्नी करीना के साथ कई फिल्मों में काम किया है। वहीं सैफ ने अपने करियर के शुरुआती दौर को भी याद किया। एस्क्वायर इंडिया के साथ बातचीत के दौरान सैफ अली खान ने अपने करियर के शुरुआती वक्त को याद किया। एक्टर ने बताया कि उस वक्त लोग मेरे लिए कहते थे कि वह भाग्यशाली थे कि उन्हें कई मौके मिले। हालांकि, मुझे ऐसा लगता है कि मुझे उस समय बन रही अच्छी फिल्में नहीं मिलीं। मुझे मुख्य भूमिकाओं के लिए नहीं लिया जा रहा था। बल्कि सेकंड लीड के तौर पर मुझे फिल्में मिल रही थीं। हालांकि, बाद में अपने किरदारों में प्रयोग करने पर ये बदलाव आया है।

इस दौरान एक्टर ने कहा कि सेट पर एक स्वस्थ और अच्छी प्रतिस्पर्धा ने मुझे एक अभिनेता के तौर पर निखारा है। मेरा ऐसा मानना है कि साथी कलाकारों के साथ कुछ नया प्रयास करने और इम्प्रोवाइज करने पर ही मेरा बेस्ट परफॉर्मेंस निकलकर सामने आता है। हालांकि, इस दौरान एक्टर ने कहा कि इसीलिए मेरा मानना है कि पत्नी या गर्लफ्रेंड के साथ काम नहीं करना चाहिए। ये बात सैफ ने तब कही है जब वो खुद पत्नी करीना के साथ कई फिल्में कर चुके हैं। लेकिन उनका मानना है कि पत्नियों और गर्लफ्रेंड के साथ काम करना अच्छा विचार नहीं है।

सुनील गावस्कर ने किया बड़ा खुलासा

रोहित शर्मा के लिए आने वाली है एक और बुरी खबर!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम में इन दिनों बड़े बदलावों का दौर चल रहा है. पहले रोहित शर्मा से वनडे की कप्तानी छीनी गई, और अब क्रिकेट के दिग्गज सुनील गावस्कर ने एक ऐसा बयान दिया है जिसने फैंस की चिंता और बढ़ा दी है. गावस्कर का कहना है कि आने वाले दिनों में रोहित शर्मा से जुड़ी एक और बुरी खबर सुनने को मिल सकती है.

अब और बुरी खबर के लिए तैयार रहिए

स्पोर्ट्स तक से बातचीत में सुनील गावस्कर ने कहा कि रोहित शर्मा का भविष्य अब टीम मैनेजमेंट की सोच और उनके खुद के फैसले पर निर्भर करेगा. गावस्कर ने कहा, अगर रोहित कोई स्पष्ट वादा नहीं कर रहे कि वे अगले दो साल तक वनडे खेलना जारी रखेंगे या नही, तो फैंस को आगे जाकर और बुरी खबर के लिए तैयार रहना चाहिए. उनके इस बयान से क्रिकेट जगत में चर्चा तेज हो गई है कि क्या रोहित शर्मा जल्द वनडे से संन्यास लेने वाले हैं या टीम मैनेजमेंट उन्हें अब धीरे-धीरे बाहर करने की योजना बना रहा है.

रोहित को अब विजय हजारे ट्रॉफी खेलनी होगी

गावस्कर ने यह भी कहा कि अगर रोहित शर्मा वनडे करियर को आगे बढ़ाना चाहते हैं, तो उन्हें घरेलू क्रिकेट में सक्रिय रहना होगा. उन्होंने कहा, रोहित जानते हैं कि अगर वे केवल वनडे क्रिकेट खेलते हैं, तो उन्हें बहुत कम मौके मिलेंगे. अब उन्हें खुद को साबित करने के लिए विजय हजारे ट्रॉफी जैसे टूर्नामेंट खेलने होंगे. शायद यही कारण है कि टीम मैनेजमेंट ने यह रुख अपनाया है. हाल ही में बीसीसीआई ने भी यह स्पष्ट किया था कि अब कोई भी खिलाड़ी, चाहे वह सीनियर ही क्यों न हो, घरेलू क्रिकेट खेले बिना भारतीय टीम में चयन का हकदार नहीं होगा.

कैलेंडर में नहीं बचा वनडे का ज्यादा स्थान

गावस्कर ने आगे कहा कि आने वाले दो सालों में भारत बहुत कम वनडे मैच खेलेगा, जिससे रोहित के लिए फॉर्म और फिटनेस बनाए रखना मुश्किल हो सकता है. उन्होंने आगे कहा, टीम इंडिया का शेड्यूल अब टेस्ट और टी20 इंटरनेशनल पर केंद्रित है. अगर रोहित साल में सिर्फ 5-7 वनडे ही खेलते हैं, तो इतने कम मैचों में वर्ल्ड कप जैसी बड़ी तैयारी नहीं की जा सकती. उन्होंने कहा कि शायद इसी वजह से चयनकर्ताओं ने शुभमन गिल को भविष्य के कप्तान के रूप में तैयार करने का फैसला लिया है.

फैंस को लगा बड़ा झटका

रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप और हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी. ऐसे में फैंस को उम्मीद थी कि वह वनडे में भी टीम की अगुवाई करते रहेंगे, लेकिन गावस्कर का यह बयान साफ इशारा करता है कि हिटमैन के करियर का वनडे अध्याय अब ढलान पर है.

महिला विश्व कप:

पाकिस्तान के खिलाफ जीत के प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगा ऑस्ट्रेलिया

कोलंबो, एजेंसी। अपने अभियान की शानदार शुरुआत करने वाला ऑस्ट्रेलिया बुधवार को यहां आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप मैच में पाकिस्तान के खिलाफ जीत के प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगा। पाकिस्तान की टीम टूर्नामेंट में लय हासिल करने के लिए जूझ रही है। इस वैश्विक प्रतियोगिता में ऑस्ट्रेलिया का शानदार प्रदर्शन अन्य टीम के प्रदर्शन से बिल्कुल अलग रहा है। एलिसा हीली की अगुवाई वाली टीम अब तक टूर्नामेंट में 300 से अधिक का स्कोर बनाने वाली एकमात्र टीम रही है और पिछले दो मैच में बांग्लादेश और भारत के खिलाफ कमजोर दिखे पाकिस्तान के खिलाफ एक और बड़ा स्कोर खड़ा कर सकती है। ऑस्ट्रेलिया ने 300 से अधिक का स्कोर खड़ा करने के बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ 89 रन की आसान जीत दर्ज की थी।

टीम की नजरें रिकॉर्ड में सुधार करने वाले आठवें विश्व कप खिताब पर टिकी हैं। हालांकि सलामी बल्लेबाज एलिसा हीली, बेथ मूनी और एनाबेल सदरलैंड जैसी बल्लेबाज लड़खड़ा रही हैं लेकिन एश्ले गार्डनर ने इंदौर में न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में शानदार शतक जड़कर अंत में मुकाबला एकतरफा बना दिया। एनाबेल सदरलैंड की तेज गेंदबाजी और सोफी मोलिन्यु की स्पिन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने गेंदबाजी विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया है और इंग्लैंड, भारत तथा दक्षिण अफ्रीका जैसी कड़ी टीमों से मुकाबला करने से पहले टीम पाकिस्तान के खिलाफ मैच में अपनी रणनीति को और मजबूत करने की कोशिश करेगी। भारत के खिलाफ तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला ने ऑस्ट्रेलिया को उपमहाद्वीप के मैदानों पर कड़ी मेहनत के लिए अच्छी तरह तैयार किया है और पाकिस्तान के उसे परेशान करने की संभावना नहीं है। बांग्लादेश और भारत के खिलाफ हार के बाद पाकिस्तान आठ टीम के टूर्नामेंट में अभी अंतिम स्थान पर है। हालांकि शनिवार को आर प्रेमदासा स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ रद्द हुआ मैच ऑस्ट्रेलिया के लिए निराशाजनक रहा क्योंकि इसने टीम से दो अंक अर्जित करने और तालिका में शीर्ष पर पहुंचने का मौका छीन लिया।

फातिमा सना की अगुआई वाली पाकिस्तान की टीम बांग्लादेश (सात विकेट से हार) और भारत (88 रन से हार) के खिलाफ मैच में खेल के सभी विभागों में कमजोर साबित हुई। टीम की बल्लेबाजी में गहराई की कमी और मध्यक्रम में अच्छे बल्लेबाजों की अनुपस्थिति के कारण पाकिस्तान टूर्नामेंट में अब तक दो मैच में 200 रन के आंकड़े को भी नहीं छू पाया है। इन दो मैच में सिदरा अमीन, फातिमा सना और मुनीबा अली जैसी स्टार बल्लेबाज संघर्ष करती दिखीं। कप्तान सना और डायना बेग की अगुवाई में टीम की गेंदबाज बांग्लादेश के खिलाफ लाइन और लेंथ के लिए जूझती दिखीं और 18 अतिरिक्त रन दे बैठीं। हालांकि चिर प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ गेंदबाजों ने बेहतर प्रदर्शन किया और बेग ने चार विकेट लिए। सिदरा अमीन के अर्धशतक के बावजूद बल्लेबाज उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाई और टीम को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया के संतुलन और अनुभव को देखते हुए पाकिस्तान के परिस्थितियों से अच्छी तरह वाकिफ होने के बावजूद उन्हें कड़ी टक्कर दे पाने की संभावना कम ही है। पाकिस्तान ने अपने दोनों विश्व कप मैच प्रेमदासा स्टेडियम में खेले हैं।

टीमें:

ऑस्ट्रेलिया: एलिसा हीली (कप्तान), डार्सी ब्राउन, एश्ले गार्डनर, किम गार्थ, हीथर ग्राहम, एलेना किंग, फोएबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्रा, सोफी मोलिन्यु, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगान शुट्ट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल और जॉर्जिया वेयरहैम।

पाकिस्तान: फातिमा सना (कप्तान), आलिया रियाज, डायना बेग, एयमान फातिमा, मुनीबा अली, नशरा संधू, नतालिया परवेज, ओमैमा सोहेल, रमीन शमीम, सदफ शमस, सादिया इकबाल, शवाल जुल्फिकार, सिदरा अमीन, सिदरा नवाज और सैयदा अरूब शाह।

रजत पाटीदार को बड़ा इनाम, सभी फॉर्मेट में मिली मध्य प्रदेश की कमान

नई दिल्ली, एजेंसी। रजत पाटीदार को मध्य प्रदेश टीम के सभी फॉर्मेट की कप्तानी सौंपी गई है। उन्हें रणजी ट्रॉफी के साथ शुरू होने वाले 2025-26 के घरेलू सत्र से पहले यह जिम्मा सौंपा गया, जिसकी शुरुआत 15 अक्टूबर से होने जा रही है। 32 वर्षीय रजत पाटीदार ने शुभम शर्मा को बतौर कप्तान रिप्लेस किया है। पाटीदार को मध्य प्रदेश के क्रिकेट निदेशक चंद्रकांत पंडित ने यह जिम्मेदारी सौंपी। रजत पाटीदार को पिछले सीजन सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के दौरान कप्तान के रूप में पहली बार आजमाया गया था। पाटीदार ने अपनी कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को पहली बार आईपीएल चैंपियन बनाया। इसके बाद मध्य प्रदेश को फाइनल तक लेकर गए, जहां टीम को मुंबई से हार का सामना करना पड़ा। रजत पाटीदार आईपीएल खिताब जीतने के बाद से शानदार कप्तानी कर रहे हैं, उन्होंने हाल ही में 2014-15 के बाद पहली बार सेंट्रल जोन को दलीप ट्रॉफी का चैंपियन बनाया है। हाल ही में पाटीदार ने ईरानी कप में रेस्ट ऑफ इंडिया टीम का नेतृत्व किया, जिसमें ईशान किशन, ऋतुराज गायकवाड़ और अभिमन्यु ईश्वरन जैसे बड़े नाम शामिल थे। हालांकि, इस मुकाबले में उनकी टीम को विदर्भ के हाथों 93 रन से शिकस्त झेलनी पड़ी।

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया:

मैथ्यू रेनशॉ को मिला वनडे डेब्यू का गोल्डन चांस

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज (शुरुआती दो मैच) के लिए टीम का ऐलान कर दिया है। लिस्ट-ए में शानदार प्रदर्शन करने वाले मैट रेनशॉ को शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है, जो अब वनडे फॉर्मेट में डेब्यू कर सकते हैं।

रेनशॉ ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया ए की ओर से खेलते हुए श्रीलंका ए के विरुद्ध बतौर कप्तान 80, 106 और 62 रन की पारियां खेली थीं। 50 ओवरों के फॉर्मेट में आमतौर पर नंबर-3 या 4 पर बल्लेबाजी करने वाले 29 वर्षीय मैट रेनशॉ ने साल 2016 में टेस्ट टीम में डेब्यू किया था। यह बाएं हाथ का खिलाड़ी 14 टेस्ट मुकाबलों में 29.31 की औसत के साथ 645 रन बना चुका है। इस दौरान उनके बल्ले से एक शतक और 3 अर्धशतक निकले हैं। मैट रेनशॉ ने अपने फर्स्ट क्लास करियर में कुल 126 मुकाबले खेले, जिसमें 37.28 की औसत के साथ यह बल्लेबाज 7,681 रन अपने नाम कर चुका है। इस दौरान उनके बल्ले से 23 शतक और इतने ही अर्धशतक निकले।

वहीं, 76 लिस्ट-ए मुकाबलों में रेनशॉ ने 41.13 की औसत के साथ 2,756 रन जुटाए हैं। मैट रेनशॉ के साथ तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क की वनडे टीम में वापसी हुई है, जो नवंबर 2024 के बाद पहली बार वनडे मैच खेलने को तैयार हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 19, 23 और 25 अक्टूबर को वनडे मुकाबले खेले जाने हैं, जिसके बाद 29 अक्टूबर, 31 अक्टूबर, 2 नवंबर, 6 नवंबर और 8 नवंबर को टी20 मैच खेले जाएंगे।

भारत के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम: मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, एलेक्स कैरी, कूपर कोनोली, बेन ड्वार्शिस, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, मिचेल ओवेन, मैथ्यू रेनशॉ, मैथ्यू शॉर्ट, मिचेल स्टार्क और एडम जांपा।

महिला वर्ल्डकप 2025:

महिला वर्ल्डकप में इस खिलाड़ी का तूफान! 5 मैचों में जड़े 4 शतक, स्मृति मंधाना का रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला वर्ल्ड कप 2025 में साउथ अफ्रीका की सलामी बल्लेबाज ताजमिन ब्रिट्स इन दिनों अपने बल्ले से तहलका मचा रही हैं. न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए मुकाबले में उन्होंने शानदार शतक जड़कर न सिर्फ अपनी टीम को जीत दिलाई, बल्कि कई बड़े रिकॉर्ड भी तोड़ दिए. ब्रिट्स का यह पिछले 5 वनडे मैचों में चौथा शतक है, जो अपने आप में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है.

87 गेंदों में ताबड़तोड़ शतक

कोलंबो के मैदान पर न्यूजीलैंड के खिलाफ ब्रिट्स ने सिर्फ 87 गेंदों में शतक पूरा किया. उन्होंने अपनी 89 गेंदों की पारी में 15 चौके और एक छक्का लगाया. उनकी पारी ने साउथ अफ्रीका की पारी को मजबूत नींव दी और टीम ने 7 विकेट से मुकाबला जीत लिया.

5 मैचों में चौथा शतक

34 साल की ताजमिन ब्रिट्स के लिए यह समय करियर का सुनहरा दौर कहा जा सकता है. वेस्टइंडीज के खिलाफ उन्होंने 101 रन बनाए थे. पाकिस्तान दौरे पर भी नाबाद उन्होंने 101 और 171 रन की शानदार पारियां खेलीं, और अब न्यूजीलैंड के खिलाफ एक और शानदार शतक जड़ दिया. उनके इस प्रदर्शन से साउथ अफ्रीका की टीम का आत्मविश्वास भी बढ़ा है, खासकर इंग्लैंड के खिलाफ हार के बाद.

सबसे कम पारियों में 7 शतक का रिकॉर्ड

इसी के साथ ही ताजमिन ब्रिट्स ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. उन्होंने सिर्फ 41 पारियों में 7 वनडे शतक लगाए हैं. इससे पहले यह रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग के नाम था, जिन्होंने 44 पारियों में 7 शतक लगाए थे. ब्रिट्स ने इस रिकॉर्ड को 3 पारियों पहले ही तोड़ दिया.

स्मृति मंधाना का रिकॉर्ड भी टूटा

भारत की स्टार बल्लेबाज़ स्मृति मंधाना के नाम एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा वनडे शतक (4) का रिकॉर्ड था, लेकिन अब ताजमिन ब्रिट्स ने इसे भी पीछे छोड़ दिया है. ब्रिट्स ने 2025 में 5वां शतक लगाकर नया रिकॉर्ड बना दिया है. मंधाना ने 2024 में 4 शतक जड़े थे, जबकि 2025 में वह अब तक 4 शतक तक पहुंची हैं.

ब्रिट्स बनी साउथ अफ्रीका की रीढ़

ताजमिन ब्रिट्स का यह फॉर्म साउथ अफ्रीकी महिला टीम के लिए किसी वरदान से कम नही है. इंग्लैंड से शुरुआती हार के बाद उन्होंने टीम को संभाला और लगातार रन बनाकर टूर्नामेंट में वापसी कराई. अगर उनका यह फॉर्म जारी रहा, तो वह साउथ अफ्रीका को पहली बार महिला विश्व कप ट्रॉफी दिलाने में अहम भूमिका निभा सकती हैं.

भारत के लिए अच्छी खबर

ऋषभ पंत साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज से पहले मैदान पर कर सकते हैं वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के लिए अच्छी खबर है। इंग्लैंड दौरे पर चोटिल हुए ऋषभ पंत फिट होने की राह पर हैं। वह 14 नवंबर से साउथ अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की सीरीज से पहले मैदान पर दिख सकते हैं। पंत 25 अक्टूबर से शुरू होने वाले 2025-26 रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर में खेलते दिख सकते हैं। भारतीय टीम के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने पिछले महीने दुबई में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम की घोषणा करते समय कहा कि कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में खेलते दिख सकते हैं। जुलाई के अंत में इंग्लैंड दौरे पर ओल्ड ट्रैफर्ड टेस्ट में पंत के दाहिने पैर में फ्रैक्चर हो गया था। क्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार है कि वह रिहैब के अंतिम चरण में हैं और इस सप्ताह के अंत में बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (छश्रश्च) में उनकी फिटनेस का आकलन किया जाएगा। तीन हफ्ते से भी ज्यादा समय पहले उनके पैर की प्लास्टर हटा दी गई थी और अब वह बिना किसी परेशानी के चल-फिर रहे हैं। उन्होंने फिर से बल्लेबाजी भी शुरू कर दी है। पंत के पहले राउंड में खेलने पर संदेह

अगर पंत को मंजूरी मिल जाती है तो उनके दिल्ली टीम से जुड़ने की उम्मीद है जो 15 अक्टूबर से हैदराबाद के खिलाफ रणजी ट्रॉफी के पहले दौर में खेलेगी। डीडीसीए को पंत के पहले राउंड में खेलने पर संदेह है। भारत-इंग्लैंड के चौथे टेस्ट मैच में क्रिस वोक्स की गेंद पर रिवर्स स्वीप करने के प्रयास में चोटिल होने से पंत मैदान से बाहर हैं। उन्हें चोट के कारण रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा और स्कैन में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई। अगले दिन पंत बल्लेबाजी के लिए लौटे, लेकिन विकेटकीपिंग नहीं कर सके। उन्होंने चार टेस्ट मैचों में 479 रन बनाए, जिसमें दो शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं।

ओसाका ने वुहान ओपन में लेला फर्नांडिज को हराया

वुहान (चीन), एजेंसी। नाओमी ओसाका ने पहला सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए मंगलवार को यहां लेला फर्नांडिज को हराकर डब्ल्यूटीए 1000 लेवल वुहान ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई। वर्ष 2017 के बाद यहां पहली बार खेल रही ओसाका ने सेंटर कोर्ट पर दिन के पहले मैच में फर्नांडिज के खिलाफ 4-6, 7-5, 6-3 से जीत दर्ज की। ऐमा राडुकानु जब आन ली के खिलाफ 1-6, 1-4 से पिछड़ रहीं थीं तो उन्हें चक्कर आने के कारण मुकाबले के बीच से हटना पड़ा। सोफिया केनिन ने अनास्तासिया जखारोवा को 3-6, 7-6, 6-3 से हराया। वह दूसरे दौर में 16वें नंबर की खिलाड़ी लुइडमिला सैमसोनोवा से भिड़ेंगी जिन्होंने एमिलियाना एरेंगो को 6-1, 7-5 से शिकस्त दी। दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी इगा स्वियातेक मेरी बुजकोवा के खिलाफ दूसरे दौर के मुकाबले के साथ वुहान टूर्नामेंट में पदार्पण करेंगी।

संजू सैमसन का नंबर कब आएगा, टी-20 में ओपनिंग पोजिशन से हटाया गया

नई दिल्ली, एजेंसी। 2015 में भारतीय टीम के लिए डेब्यू करने वाले संजू सैमसन 2023 तक महज 24 टी-20 मैच ही खेल सके थे। आखिरकार 2024 वर्ल्ड कप के बाद उनकी भारतीय टी-20 टीम में जगह पक्की हुई। उन्होंने फिर ओपनिंग करते हुए 5 महीनों में 3 शतक लगा दिए। लगा कि अब संजू भारत के लॉन्ग टर्म ओपनर होंगे। लेकिन, एशिया कप में उन्हें अपनी जगह शुभमन गिल के लिए खाली करनी पड़ गई। संजू ने मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी की। फाइनल में जब भारतीय टीम 20 रन पर तीन विकेट गंवा चुकी थी तब उन्होंने तिलक वर्मा के साथ 57 रन की पार्टनरशिप लगाई और भारत की मैच में वापसी कराई। इसके बाद माना जा रहा था कि संजू ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारत की वनडे टीम में भी जगह बना लेंगे। लेकिन, ऐसा हुआ नहीं। मुख्य विकेटकीपर के तौर पर केएल राहुल चुने गए और बैकअप के तौर पर ध्रुव जुरेल टीम में आ गए। संजू बाहर रह गए।

मैंने जो कहा था वह बहुत प्रभावी था इसलिए उन्होंने संघर्ष रोक दिया : ट्रंप

» न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को शुल्क के इस्तेमाल को युद्ध रोकने का एक कारगर उपाय बताते हुए कहा कि भारत और पाकिस्तान के हालिया संघर्ष के दौरान दोनों देशों के साथ उनका संवाद काफी प्रभावी रहा। उन्होंने व्यापार का इस्तेमाल कर परमाणु हथियारों से लैस दोनों देशों के बीच संघर्ष समाप्त कराने के अपने दावे को दोहराया। ट्रंप ने सोमवार को ओवल ऑफिस (व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति का कार्यालय) में कहा, अमेरिका के लिए शुल्क बहुत महत्वपूर्ण है। इससे हम न सिर्फ अरबों डॉलर कमाते हैं, बल्कि शुल्क की वजह से ही हम शांतिदूत भी बन गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि अगर उन्होंने शुल्क की ताकत का इस्तेमाल नहीं किया होता तो चार युद्ध अब भी जारी रहते। ट्रंप ने कहा, मैं युद्ध रोकने के लिए शुल्क का इस्तेमाल करता हूं। अगर आप भारत और पाकिस्तान को देखें, तो वे युद्ध के लिए तैयार थे। सात विमान मार गिराए गए थे। वे परमाणु शक्ति संपन्न देश हैं। उन्होंने कहा, मैं यह नहीं बताना चाहता कि मैंने दरअसल क्या कहा, लेकिन मैंने जो कहा वह बहुत प्रभावी था।

उन्होंने संघर्ष रोक दिया और यह शुल्क की वजह से हुआ था। इसका आधार व्यापार था। भारत ने इस मामले में किसी भी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप की बात से लगातार इनकार किया है। भारत ने 22 अप्रैल को हुए पहलगाम हमले के जवाब में सात मई को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ढांचे को निशाना बनाने के लिए ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत की

थी। पहलगाम आतंकवादी हमले में 26 नागरिक मारे गए थे। भारत और पाकिस्तान चार दिन तक सीमा पार से ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद 10 मई को संघर्ष समाप्त करने के लिए एक समझौते पर पहुंचे थे। भारत लगातार कहता रहा है कि पाकिस्तान के साथ शत्रुता समाप्त करने पर सहमति दोनों सेनाओं के सैन्य संचालन महानिदेशकों (डीजीएमओ) के बीच सीधी बातचीत के बाद बनी थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद में स्पष्ट किया था कि किसी भी देश के नेता ने भारत से ऑपरेशन सिंदूर रोकने के लिए नहीं कहा। हालांकि, ट्रंप ने कई बार दोहराया है कि उन्होंने अपने प्रशासन के दूसरे कार्यकाल में अब तक सात युद्ध समाप्त किए हैं, जिनमें भारत और पाकिस्तान का संघर्ष, कंबोडिया और थाईलैंड, कोसोवो और सर्बिया, कांगो और रवांडा, इजराइल और ईरान, मिस्र और इथियोपिया तथा आर्मेनिया और अजरबैजान के युद्ध शामिल हैं।

स्वास्थ्य समझौते पर बातचीत को तैयार हूं लेकिन पहले सरकार को काम शुरू करने दें : ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को छठे दिन भी शटडाउन जारी रहने पर डेमोक्रेट्स के साथ स्वास्थ्य बीमा सब्सिडी पर वार्ता की संभावना जताई लेकिन कुछ ही देर बाद इसे खारिज कर दिया, जिससे फिर गतिरोध पैदा हो गया है। डेमोक्रेट्स अल्पकालिक वित्तीय योजना का समर्थन इस शर्त पर कर रहे हैं कि ओबामाकेयर के तहत दी जाने वाली स्वास्थ्य सब्सिडी को जारी रखा जाए। ट्रंप ने पत्रकारों से कहा, हमारी डेमोक्रेट्स से बातचीत चल रही है, जो स्वास्थ्य क्षेत्र में अच्छे परिणाम ला सकती है। सरकार का कामकाज ठप होने के छठे दिन यह टिप्पणी उम्मीद की एक किरण के रूप में आई, लेकिन बाद में ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा कि पहले डेमोक्रेट्स को सरकार को दोबारा काम शुरू करने देना होगा, उसके बाद ही स्वास्थ्य नीति पर चर्चा हो सकती है। उन्होंने कहा, मैं डेमोक्रेट्स के असफल स्वास्थ्य कार्यक्रमों पर बात करने को तैयार हूं, लेकिन पहले वे सरकार के कामकाज को चालू करें। वहीं, डेमोक्रेटिक नेता चक शूमर और हकीम जेफ्रीज ने कहा कि ट्रंप के दावे गलत हैं और पिछले सप्ताह व्हाइट हाउस की बैठक के बाद से कोई वार्ता नहीं हुई है। शूमर ने कहा, अगर ट्रंप वाकई बातचीत के लिए तैयार हैं, तो हम उसके लिए मौजूद रहेंगे। सीनेट में सोमवार को सरकार का कामकाज बहाल करने के लिए दो प्रस्ताव रखे गए, लेकिन दोनों ही विफल रहे क्योंकि उन्हें 60 मत नहीं मिले। दोनों दलों ने एक-दूसरे पर गतिरोध खत्म न करने का आरोप लगाया। अमेरिका में फिलहाल शटडाउन लागू है, जिसमें सरकारी वित्तपोषण पर रोक है। शटडाउन को खत्म करने के लिए संसद के दोनों सदनों, सीनेट और प्रतिनिधि सभा में सत्तारूढ़ रिपब्लिकन पार्टी और विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के बीच सहमति नहीं बन पाई है। डेमोक्रेटिक पार्टी स्वास्थ्य बीमा सब्सिडी जारी रखने की मांग कर रही है, जबकि ट्रंप मौजूदा खर्च के स्तर को बनाए रखना चाहते हैं। उनका तर्क है कि नौकरियों और परियोजनाओं पर खतरे के चलते डेमोक्रेट्स अंततः झुकेंगे। इस राजनीतिक टकराव के बीच अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मंदी और महंगाई को लेकर चिंता बढ़ गई है।

गाजा युद्ध के दो साल पूरे होने की पूर्व संध्या पर मिस्र में इजराइल और हमास के बीच अहम वार्ता

काहिरा, भाषा। गाजा में जारी विनाशकारी युद्ध के दो साल पूरे होने की पूर्व संध्या पर इजराइल और हमास के अधिकारियों ने युद्ध को समाप्त कराने के लिए अमेरिका द्वारा तैयार की गई शांति योजना पर सोमवार को मिस्र के एक रिजॉर्ट में अप्रत्यक्ष वार्ता शुरू की। सोमवार को हुई वार्ता कई घंटों तक चली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पिछले सप्ताह पेश इस योजना को लेकर कई अनिश्चितताएं बनी हुई हैं, जिनमें चरमपंथी समूह हमास का निरस्त्रीकरण और गाजा में भविष्य में शासन किसका होगा आदि शामिल है। ट्रंप ने संकेत दिया है कि गाजा पर एक समझौता पश्चिम एशिया में शांति प्रक्रिया का मार्ग प्रशस्त कर सकता है जो इस क्षेत्र को नया आकार दे सकता है। क्षेत्र के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि ट्रंप ने इजराइल को बमबारी रोकने को कहा है, बावजूद इसके इजराइली सेना ने गाजा पर हवाई हमले जारी रखे, जिसमें पिछले 24 घंटों में कम से कम 19 लोग मारे गए। मिस्र के एक अधिकारी ने नाम नहीं जाहिर करने की शर्त पर बताया कि सोमवार दोपहर लाल सागर के किनारे शर्म अल-शेख रिजॉर्ट में वार्ता शुरू हुई और मंगलवार दोपहर वार्ता फिर शुरू होगी। अधिकारी ने बताया कि दोनों पक्ष पहले चरण की अधिकतर शर्तों पर सहमत हैं जिसमें बंधकों की रिहाई और संघर्षविराम लागू करना शामिल है। इजराइल के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व शीर्ष वार्ताकार रॉन डर्मर कर रहे हैं, जबकि हमास प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व खलील अल-हय्या कर रहा है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा कि विदेश नीति सलाहकार ओफिर फॉक इजराइल की ओर से वार्ता में शामिल होंगे। मिस्र के सरकारी अल-कहरा न्यूज टेलीविजन केंद्र ने बताया कि वार्ता अरब मध्यस्थों और हमास प्रतिनिधिमंडल के बीच एक बैठक के साथ शुरू हुई। टेलीविजन केंद्र के अनुसार मध्यस्थ बाद में इजराइली प्रतिनिधिमंडल से मिलेंगे। मिस्र के स्थानीय मीडिया के अनुसार अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ और ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर के भी वार्ता में शामिल होने की उम्मीद है। हमास ने कहा कि वार्ता युद्धविराम के पहले चरण पर केंद्रित होगी, जिसमें इजराइली बलों की आंशिक वापसी और इजराइल की हिरासत में फलस्तीनी कैदियों के बदले गाजा में चरमपंथियों द्वारा बंधक बनाए गए लोगों की रिहाई शामिल है। शांति के लिए यह नवीनतम प्रयास हमास द्वारा अमेरिकी शांति योजना के कुछ शर्तों को स्वीकार करने के बाद आया है, जिसका इजराइल ने भी समर्थन किया है। इस योजना के तहत हमास शेष 48 बंधकों को तीन दिन के भीतर रिहा कर देगा, सत्ता छोड़ देगा और हथियार त्याग देगा। इन बंधकों में से लगभग 20 के जीवित होने की संभावना है। मिस्र में वार्ता में तेजी से प्रगति होने की उम्मीद है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री एक दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के लिए बातचीत लगातार जारी : गोयल

» दोहा, भाषा।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि भारत और अमेरिका प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर लगातार बातचीत कर रहे हैं। नवंबर में वार्ता पूरी करने की सभी संभावनाएं मौजूद हैं। गोयल ने अगले दौर की व्यापार वार्ता प्रत्यक्ष रूप से होने की संभावना पर कहा कि हर संभावना मौजूद है, लेकिन अमेरिका में इस समय शटडाउन यानी विभागों के लिए वित्त पोषण पर सहमति नहीं होने से कामकाज ठप होने से यह देखना बाकी है कि अगले दौर की वार्ता कैसे, कहां और कब हो सकती है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, आप सब जानते हैं कि अमेरिका में आजकल सरकार शटडाउन मोड में है, तो उसके मद्देनजर देखना पड़ेगा कि कैसे बातचीत हो सकती है, कहां हो सकती है, और कब हो सकती है। अमेरिका में एक अक्टूबर की आधी रात से कुछ विभागों में कामकाज ठप हुआ है।

इसका कारण कांग्रेस (अमेरिकी संसद) वित्त पोषण विधेयक पारित करने में विफल रही है। सैद्धांतिक रूप से, इसका मतलब है कि कई सरकारी कर्मचारियों को अभी वेतन नहीं मिलेगा और सेवा केंद्र बंद हैं। हालांकि, रक्षा और सामाजिक क्षेत्र जैसे महत्वपूर्ण कार्य जारी रहेंगे। गोयल एक दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर यहां आए हैं। उन्होंने कहा, हम (व्यापार समझौते पर) अमेरिका के साथ लगातार बातचीत कर रहे हैं और विभिन्न स्तरों पर बातचीत चल रही है। हम जल्द ही इस बारे में और जानकारी देंगे कि हम इसे कैसे आगे बढ़ाने की सोच रहे हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या दोनों पक्ष वार्ता समाप्त करने के लिए नवंबर की समय-सीमा का पालन कर रहे हैं, तो उन्होंने कहा, इसकी पूरी संभावना है। पिछले महीने गोयल ने व्यापार वार्ता के लिए न्यूयॉर्क में एक आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया था।

कतर में भारतीय कंपनियों के साथ साझेदारी को लेकर काफी उत्साह : गोयल

दोहा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि कतर में भारतीय व्यवसायों के साथ साझेदारी को लेकर काफी उत्साह है। उन्होंने कहा कि यह उत्सुकता न केवल दोनों देशों में निवेश के लिए है, बल्कि तीसरे देशों की परियोजनाओं में सहयोग के लिए भी है। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए कहा कि कतर स्थित अल बालाघ, लार्सन एंड टुब्रो का भागीदार है। उन्होंने कतर में परियोजनाएं पूरी की हैं, और अब उनकी तीसरे देशों में भी इसी तरह की परियोजनाएं शुरू करने की योजना है। अल बालाघ के चेयरपर्सन शेरिदा साद जुबरान अल काबी से मुलाकात के बाद उन्होंने संवाददाताओं से यह बात कही। गोयल कतर विकास बैंक के सीईओ अब्दुलरहमान हेशाम अल सोवैदी से भी मुलाकात की। गोयल ने कहा, कतर सरकार तीसरे देशों की परियोजनाओं पर भी विचार कर रही है और मुझे बताया गया है कि कतर विकास बैंक वित्तपोषण की गारंटी देने को तैयार है। मंत्री ने कहा कि भारतीय कंपनियों को कतर के व्यापारियों और तीसरे देशों के साथ साझेदारी के लिए इस तरह के गारंटी वाले वित्तपोषण पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। ये साझेदारियां महत्वपूर्ण हैं क्योंकि भारत और कतर जल्द ही एक मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत की रूपरेखा को अंतिम रूप देंगे ।

भौतिकी का नोबेल पुरस्कार क्वांटम मेकेनिक्स टनलिंग में काम करने वाले तीन वैज्ञानिकों को

» स्टॉकहोम, भाषा।

जॉन क्लार्क, माइकल एच डेवोरेट और जॉन एम मार्टिनिस को क्वांटम मेकेनिक्स टनलिंग में उनके अनुसंधान के लिए भौतिकी के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा मंगलवार को की गई। तीनों को 10 दिसंबर को आयोजित समारोह में यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। साल 1901 से 2024 के बीच 118 बार भौतिकी के क्षेत्र में यह सम्मान प्रदान किया जा चुका है। अब तक 226 वैज्ञानिकों को भौतिकी के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। स्टॉकहोम स्थित रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज द्वारा इस वर्ष घोषित किया जाने वाला यह दूसरा पुरस्कार है। एक दिन पहले ही तीन वैज्ञानिकों को चिकित्सा के क्षेत्र में योगदान के लिए नोबेल पुरस्कार प्रदान करने की घोषणा की गई।

पिछले साल, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अग्रदूत जॉन हॉपफील्ड और जफ्री हिंटन को मशीन लर्निंग के आधार स्तंभ बनाने में मदद के लिए भौतिकी का नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया था। मैरी ई. ब्रून्को, फ्रेड रैमस्डेल और डॉ. शिमोन साकागुची को सोमवार को चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार दिए जाने की घोषणा की गई। नोबेल पुरस्कारों की घोषणा की कड़ी में बुधवार को रसायन विज्ञान और बृहस्पतिवार को साहित्य के क्षेत्र के विजेताओं के नाम घोषित किए जाएंगे। नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा शुक्रवार को और अर्थशास्त्र में नोबेल मेमोरियल पुरस्कार की घोषणा 13 अक्टूबर को की जाएगी। पुरस्कार समारोह 10 दिसंबर को आयोजित किया जाएगा, जो इसके संस्थापक स्वीडिश उद्योगपति और डायनामाइट के आविष्कारक अल्फ्रेड नोबेल की पुण्यतिथि है। नोबेल की 1896 में इसी दिन मृत्यु हुई थी। इन प्रतिष्ठित पुरस्कारों में 1.1 करोड़ स्वीडिश क्रोनर (लगभग 12 लाख अमेरिकी डॉलर) की नकद राशि प्रदान की जाती है।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान में रेलवे ट्रैक पर विस्फोट से जाफर एक्सप्रेस पटरी से उतरी, कई यात्री घायल

» पेशावर, भाषा।

पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी सिंध प्रांत में मंगलवार को रेलवे ट्रैक पर हुए विस्फोट के कारण एक ट्रेन के पांच डिब्बे पटरी से उतर गए, जिससे कई लोग घायल हो गए। रेलवे पुलिस ने यह जानकारी दी। पेशावर जाने वाली जाफर एक्सप्रेस के घायल यात्रियों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। ट्रेन पर इस साल कई बार हमले हो चुके हैं। यह विस्फोट सिंध के शिकारपुर जिले में सुल्तान कोट से सटे सोमरखाह के पास हुआ। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल पर बचाव अभियान जारी है। पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों की टुकड़ियों ने इलाके की घेराबंदी कर ली है और विस्फोट की प्रकृति का पता लगाने के लिए सबूत इकट्ठा करना शुरू कर दिया है। शुरुआती रिपोर्ट से पता चलता है कि रेलवे पटरियों को काफी नुकसान पहुंचा है।

क्वेटा और पेशावर के बीच चलने वाली जाफर एक्सप्रेस को हाल के महीनों में कई बार निशाना बनाया गया है, जिसमें मार्च में हुआ हमला सबसे भीषण था। इस साल सितंबर में बलूचिस्तान के मस्तुंग के दश्त इलाके में रेलवे पटरी पर हुए एक विस्फोट में जाफर एक्सप्रेस का एक डिब्बा क्षतिग्रस्त हो गया और छह अन्य डिब्बे पटरी से उतर गए, जिसमें 12 यात्री घायल हो गए थे। गत 11 मार्च को जाफर एक्सप्रेस को बंधक बना लिया गया था। इस घटना में 26 लोग मारे गए, जिनमें सुरक्षाकर्मी भी शामिल थे। सुरक्षा बलों ने एक लक्षित अभियान में ट्रेन पर हमला करने वाले 33 आतंकवादियों को मार गिराया और 354 बंधकों को मुक्त कराया। माना जाता है कि जातीय बलूच आतंकवादी समूह ऐसे हमलों को अंजाम देते हैं।

पाकिस्तान अपने ही लोगों पर बम गिराता है, संगठित नरसंहार व बलात्कार की मंजूरी देता है : भारत

» संयुक्त राष्ट्र, भाषा।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में पाकिस्तान पर तीखा प्रहार करते हुए भारत ने सोमवार को उसे अपने ही लोगों पर बम बरसाने वाला और संगठित नरसंहार करने वाला देश बताया। महिलाएं, शांति और सुरक्षा विषय पर आयोजित बहस में भारत के स्थाई प्रतिनिधि राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने कहा कि पाकिस्तान ने 1971 में ऑपरेशन सर्चलाइट चलाया था और अपनी ही सेना द्वारा चार लाख महिलाओं के संगठित जनसंहार और बलात्कार की मुहिम को मंजूरी दी थी। हरीश ने कहा, हर साल हमें दुर्भाग्य से पाकिस्तान के मेरे देश के खिलाफ भ्रमित करने वाले भाषण सुनने पड़ते हैं, खासकर जम्मू कश्मीर को लेकर, जिस पर उसकी बुरी नजर है।

उन्होंने कहा, जो देश अपने ही नागरिकों पर बम बरसाता है और संगठित नरसंहार करता है, वह केवल दुनिया को गुमराह करने की कोशिश कर सकता है। दुनिया अब पाकिस्तान के दुष्प्रचार को भली-भांति समझ चुकी है। गौरतलब है कि 25 मार्च 1971 को पाकिस्तानी सेना ने ऑपरेशन सर्चलाइट नाम से पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में नागरिकों का निर्मम दमन शुरू किया था, जिसमें बड़े पैमाने पर हत्याएं और अत्याचार किए गए थे। हरीश ने रूस की अध्यक्षता वाली इस बैठक में कहा कि भारत का, महिलाएं, शांति और सुरक्षा एजेंडा पर रिकॉर्ड निर्मल और बेदाग है। भारत की यह तीखी प्रतिक्रिया तब आई जब पाकिस्तान ने अपने बयान में जम्मू कश्मीर का मुद्दा उठाया। पाकिस्तानी प्रतिनिधि ने कहा, महिलाएं, शांति और सुरक्षा एजेंडा से कश्मीरी महिलाओं को बाहर रखना इसकी वैधता और सार्वभौमिकता को कमजोर करता है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए हरीश ने कहा कि भारत इस एजेंडा के प्रति अडिग प्रतिबद्धता रखता है और खास तौर पर ग्लोबल साउथ के देशों के साथ अपने अनुभव साझा करने और सामूहिक समाधान विकसित करने को तत्पर है। उन्होंने कहा कि भारत की संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में निरंतर भूमिका उसकी वैश्विक शांति के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। भारतीय राजदूत ने बताया कि 1960 के दशक में ही भारत ने कांगो में महिला चिकित्सकों को तैनात किया, जो संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में महिलाओं की शुरुआती भागीदारी में से एक थी। यह मात्र प्रतीकात्मक कदम नहीं, बल्कि यह स्वीकार्यता थी कि शांति स्थापना में महिलाओं की दृष्टि और कौशल आवश्यक हैं। उन्होंने बताया कि फरवरी 2025 में भारत ने ग्लोबल साउथ की महिला शांति सैनिकों पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी की थी, जिसमें 35 देशों की महिला शांति रक्षकों ने भाग लिया था। ग्लोबल साउथ शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा से उभरती प्रौद्योगिकियों में सहयोग बढ़ेगा : भारतवंशी मंत्री

लंदन, भाषा। ब्रिटेन के कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और ऑनलाइन सुरक्षा मंत्री कनिष्क नारायण ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर की इस सप्ताह भारत यात्रा से एआई और उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे साझा हितों के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति होगी। ब्रिटिश भारतीय मंत्री नारायण ने स्टार्मर के आठ से नौ अक्टूबर को होने वाले भारत के पहले आधिकारिक दौरे से पूर्व पीटीआई-भाषा से कहा कि तकनीक के साथ-साथ अन्य प्रमुख क्षेत्रों में भारत-ब्रिटेन सहयोग के लिए एक असाधारण नींव पहले ही रखी जा चुकी है। नारायण को हाल में विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसआईटी) का प्रभार सौंपा गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री दो दिवसीय भारत यात्रा पर आ रहे हैं। दोनों नेता मुंबई में ग्लोबल फिनटेक फेस्ट के छठे संस्करण को संबोधित करेंगे और उद्योग विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं एवं नवप्रवर्तकों के साथ बातचीत करेंगे। नारायण ने कहा, प्रधानमंत्री की भारत यात्रा कनेक्टिविटी , एआई और उभरती प्रौद्योगिकियों में हमारे साझा हितों में महत्वपूर्ण प्रगति करेगी। उन्होंने कहा, भारत और ब्रिटेन अनुसंधान पर महत्व दे रहे हैं, साथ ही इन तकनीकों को लोकतांत्रिक तरीके से अपनाने पर समान रूप से ध्यान केंद्रित करते हैं। यह यात्रा व्यावहारिक सहयोग के साथ इस साझा ध्यान को और गहरा करने के लिए है। बिहार में जन्मे लेबर पार्टी के सांसद ने पिछले साल के आम चुनाव में वेल्स से भारतीय मूल के पहले सांसद के रूप में चुने जाने पर इतिहास रचा था। नारायण इस बात से उत्साहित हैं कि प्रौद्योगिकी क्षेत्र द्विपक्षीय साझेदारी के प्रमुख ध्यान वाले क्षेत्रों में से एक है और इसमें गठजोड़ की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा, दोनों देशों में सहयोग के लिए असाधारण आधार है अनुसंधान साझेदारी, गहन और व्यक्तिगत इतिहास तथा भविष्य की निरंतर खोज। हम इनका उपयोग व्यावहारिक एआई और ऑनलाइन सुरक्षा अनुसंधान के विशिष्ट अवसरों में कर सकते हैं।

इंडोनेशिया में स्कूल ढहने की घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 61 हुई

» सिदोअर्जो (इंडोनेशिया), भाषा।

इंडोनेशिया में एक इस्लामिक बोर्डिंग स्कूल के प्रार्थना कक्ष के ढहने के बाद लापता हुए छात्रों की तलाश कर रहे बचाव कर्मियों ने सोमवार को 12 और छात्रों के शव बरामद किए जिससे घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 61 हो गई है। यह इमारत 29 सितंबर को उस समय ढह गई जब छात्र दोपहर की नमाज अदा कर रहे थे। इनमें ज्यादातर लड़के थे। इंडोनेशिया के जावा द्वीप के सिदोअर्जो में स्थित सौ साल पुराने अल खोजिनी इस्लामिक बोर्डिंग स्कूल की इमारत का अनाधिकृत विस्तार किया जा रहा था। अधिकारियों ने बताया कि केवल एक छात्र ही सुरक्षित बच पाया, जबकि घोटिल हुए 99 छात्रों को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई।

गंभीर रूप से घायल चार छात्र सोमवार तक अस्पताल में भर्ती रहे। इमारत ढहने के तीन दिन बाद छात्रों के जीवित बचने के कोई संकेत नहीं मिलने पर अधिकारियों ने पिछले हफ्ते तेजी से मलबा हटाने का काम पूरा करने के लिए भारी उत्खनन मशीनों का सहारा लिया। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी ने बताया कि बचावकर्मियों ने सोमवार को मलबे से 12 शव निकाले। बचावकर्मी अब भी दो छात्रों की तलाश जारी रखे हुए हैं ।

संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों के रूप में वर्दीधारी महिलाओं की संख्या दोगुनी हो गई

ऐतिहासिक प्रस्ताव के 25 साल बाद भी शांति वार्ताओं से महिलाएं अक्सर अनुपस्थित : संरा प्रमुख

» संयुक्त राष्ट्र, भाषा।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने मंगलवार को इस बात पर चिंता जताई कि महिलाएं अक्सर शांति वार्ताओं से अनुपस्थित रही हैं। उन्होंने कहा कि यह स्थिति तब है जब शांति प्रयासों में महिलाओं की समान भागीदारी वाले संयुक्त राष्ट्र के ऐतिहासिक प्रस्ताव को जारी हुए 25 वर्ष पूरे हो चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र महिला एजेंसी की प्रमुख ने भी चिंता व्यक्त की है कि महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ यौन हिंसा बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि 67.6 करोड़ महिलाएं घातक संघर्षों के 50 किलोमीटर के दायरे में निवास कर रही हैं। यह संख्या 1990 के दशक के बाद से सबसे अधिक है।

संरा महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने संयुक्त राष्ट्र प्रस्ताव की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित सुरक्षा परिषद की बैठक में कहा, पूरी दुनिया में हम सैन्य खर्च में परेशान करने वाले रुझान, अधिक सशस्त्र संघर्ष और महिलाओं तथा लड़कियों के खिलाफ और भी अधिक चौंकाने वाली क्रूरता देख रहे हैं। गुतारेस ने बताया कि 31 अक्टूबर, 2000 को इस प्रस्ताव को अपनाने के बाद कुछ प्रगति अवश्य हुई है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों के रूप में वर्दीधारी महिलाओं की संख्या दोगुनी हो गई है। इसके अलावा महिलाओं ने स्थानीय मध्यस्थता का नेतृत्व किया है, लैंगिक-आधारित हिंसा के पीड़ितों के लिए न्याय को आगे बढ़ाया है और महिला संगठन संघर्षों से उबरने तथा सुलह को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध हुए हैं। गुतारेस ने कहा, लेकिन ये उपलब्धियां नाजुक हैं और यह बहुत चिंताजनक है कि वे विपरीत दिशा में जा रही हैं। गुतारेस ने स्पष्ट भाषा में कहा कि राष्ट्र अक्सर सुरक्षा परिषद जैसे कक्षों में दृढ़ विश्वास और प्रतिबद्धता से भरे इकट्ठा होते हैं। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद वे शांति वार्ताओं में महिलाओं की समान भागीदारी सुनिश्चित करने और संघर्षों में महिलाओं तथा लड़कियों को बलात्कार एवं यौन दुर्व्यवहार से बचाने की प्रस्ताव की मांग को पूरा करने में पूरी तरह से विफल हो जाते हैं। गुतारेस ने संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों से आग्रह किया कि वे संघर्षों में फंसी महिलाओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को बढ़ाएं। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस प्रतिबद्धता को नए वित्त प्रदान करके, शांति वार्ताओं में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करके, यौन हिंसा के लिए जवाबदेही तय करके और उनकी सुरक्षा तथा आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करके पूरा किया जाना चाहिए।

अमेरिका के शहर में भारतीय छात्र की गोली मारकर हत्या, टेक्सास का व्यक्ति गिरफ्तार

» ह्यूस्टन, भाषा।

टेक्सास के 23 वर्षीय युवक को फोर्ट वर्थ गैस स्टेशन पर शुक्रवार रात को एक भारतीय छात्र की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया। इस घटना से स्थानीय भारतीय-अमेरिकी समुदाय दहशत में है और उनके बीच भय व्याप्त है। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध ने कथित तौर पर चंद्रशेखर पोल (28) को तब गोली मार दी जब वह अपनी पार्ट-टाइम ड्यूटी कर रहा था। इसके बाद संदिग्ध घटनास्थल से फरार हो गया लेकिन अधिकारियों ने उसे पकड़ लिया। संदिग्ध की पहचान नॉर्थ रिचलैंड हिल्स के रिचर्ड एलोरेज के रूप में हुई है। उसने कथित तौर पर ईस्टचेज पार्कवे स्थित गैस स्टेशन पर चंद्रशेखर को गोली मारी।

पुलिस ने बताया कि गोलीबारी के बाद फ्लोरेज ने लगभग एक मील दूर एक अन्य वाहन पर भी गोली चलाई, हालांकि इसमें किसी को चोट नहीं आई। बाद में पास की एक रिहायशी इमारत मेडोब्रूक ड्राइव में घुसने की कोशिश के दौरान वह एक गेट से टकरा गया। अधिकारियों ने उसे तुरंत गिरफ्तार कर लिया और उसके वाहन से एक हथियार बरामद किया। एनबीसीडीएफडब्ल्यू न्यूज चैनल ने सोमवार को फोर्ट वर्थ पुलिस के प्रवक्ता अधिकारी ब्रैड पेरेज के हवाले से बताया, उन्होंने उस जगह पर वाहन के अंदर से एक बंदूक भी बरामद की। संदिग्ध इस समय अस्पताल में है लेकिन उस पर हत्या का मामला दर्ज किया गया है। टारंट काउंटी मेडिकल एग्जामिनर के कार्यालय ने पोल की पहचान की पुष्टि की और बताया कि उन्हें घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया था। अधिकारियों ने कहा कि जांच जारी है और गोलीबारी का मकसद अभी पता नहीं चल पाया है। ह्यूस्टन स्थित भारत के महावाणिज्य दूतावास ने कहा कि वे चंद्रशेखर के अवशेषों को भारत वापस भेजने में सहायता के लिए उनके परिवार के संपर्क में हैं।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,